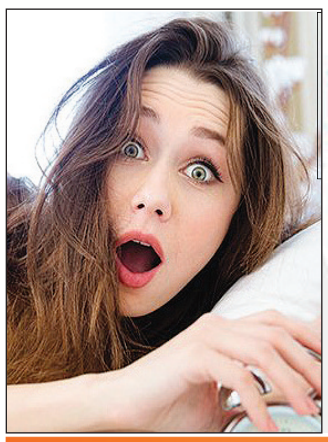

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास पेज: 7

कृति सेनन की बड़ी प्रॉपर्टी डील! कास्टिंग डायरेक्टर को बेचे पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 76 | गुरुवार 18 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नीट-यूजी री-एग्जाम से पहले राहुल गांधी की रैली, बीजेपी बोली- छात्रों को भटकाने की साजिश

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राजस्थान के कोटा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की प्रस्तावित 'इको ऑफ स्टूडेंट्स' रैली की आलोचना की और उन पर अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए व्यवधान पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने बुधवार को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा से कुछ दिन पहले यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिए गांधी की आलोचना की और कहा कि नीट परीक्षा तीन दिन बाद फिर से होने वाली है... जहाँ सरकार संवेदनशीलता दिखा रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी संवेदनशीलता के बजाय चालाकी दिखा रहे हैं। त्रिवेदी ने सवाल करते हुए

क्या बांग्लादेश सीमा सुरक्षा बल के प्रमुख ने दिल्ली में की अमित शाह से गुप्त मुलाकात? आखिर क्या हुई बात?

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बांग्लादेश सीमा सुरक्षा बल के प्रमुख के बीच हुई कथित गोपनीय मुलाकात ने भारत बांग्लादेश सीमा पर चल रही हलचल को और अधिक गंभीर बना दिया है। बताया जा रहा है कि बांग्लादेश के गृह मंत्री का एक विशेष पत्र भी अमित शाह को सौंपा गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब पूर्वी सीमा पर घुसपैठ, अवैध नागरिकों की पहचान और उन्हें वापस भेजने को लेकर जबरदस्त तनाव बना हुआ है। खासकर पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की ओर से चलाया जा रहा अभियान अब राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी लड़ाई बन चुका है। देखा जाये तो पश्चिम बंगाल और असम में लगातार सामने आ रही घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सीमा पार से अवैध घुसपैठ कोई मामूली समस्या नहीं,

बल्कि देश की सुरक्षा, जनसंख्या संतुलन और सामाजिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। असम के कछार जिले में भारतीय नागरिक रंजीत दास का दिनदहाड़े कथित अपहरण कर लिया जाना बेहद खतरनाक संकेत है। हम आपको बता दें कि रंजीत दास सीमा के पास घास लेने गए थे, तभी बांग्लादेशी तत्व उन्हें उठा ले गए। बाद में सीमा बलों की बातचीत के बाद उन्हें वापस सौंपा गया। यह घटना बताती है कि सीमा पार बैठे तत्वों के हौसले कितने बुलंद हो चुके हैं। यही नहीं, मेघालय के महेंद्रगंज क्षेत्र में भी तनाव चरम पर पहुंच गया, जब अवैध रूप से भारत में घुसे एक बांग्लादेशी नागरिक को वापस भेजे जाने पर बांग्लादेश सीमा बल और वहां के स्थानीय लोगों ने उसे लेने से इंकार कर दिया। नतीजा यह हुआ कि वह व्यक्ति घंटों तक नो मैन्स लैंड में फंसा रहा। इससे पहले भी एक पचपन वर्षीय व्यक्ति को लेकर लगभग बीस घंटे तक गतिरोध चला था। यह साफ संकेत है कि बांग्लादेश अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है और अवैध घुसपैठियों को भारत की समस्या बनाकर छोड़ देना चाहता है। हम आपको बता दें कि वर्षों तक पश्चिम

सीमा पार से अवैध घुसपैठ कोई मामूली समस्या नहीं.........

देखा जाये तो पश्चिम बंगाल और असम में लगातार सामने आ रही घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सीमा पार से अवैध घुसपैठ कोई मामूली समस्या नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा, जनसंख्या संतुलन और सामाजिक व्यवस्था पर सीधा हमला है।

बंगाल में तृणमूल सरकार पर आरोप लगते रहे कि उसने वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठियों को संरक्षण दिया। पहचान पत्र, राशन कार्ड और सरकारी योजनाओं तक पहुंच देकर सीमा पार से आए लोगों को व्यवस्थित तरीके से बसाया गया। इसी कारण राज्य के कई इलाकों की जनसांख्यिकी तेजी से बदली। अब जब पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी इस मुद्दे को खुलकर उठा रहे हैं, तब घुसपैठियों और उन्हें संरक्षण देने वालों में बेचैनी बढ़ना स्वाभाविक है। शुभेन्दु अधिकारी ने जिस आक्रामकता के साथ बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों की पहचान और कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ाये हैं उसकी पूरे देश में सराहना हो रही है। उन्होंने साफ कहा है कि बंगाल को घुसपैठियों का सुरक्षित अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। यह केवल राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा संकल्प है। देश की सीमाएं दया या वोट बैंक की राजनीति से नहीं, बल्कि कठोर इच्छाशक्ति से सुरक्षित होती हैं। जो लोग अवैध तरीके से भारत में घुसकर यहां की जमीन, संसाधन और अधिकारों पर कब्जा करना चाहते हैं, उन्हें अब स्पष्ट चेतावनी समझ लेनी चाहिए। भारत अब पहले वाला भारत नहीं है। अब सीमा पार से घुसपैठ कर वर्षों तक छिपकर रहने का खेल ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगा। हर अवैध घुसपैठिये की पहचान होगी, कानूनी कार्रवाई होगी और उसे वापस भेजा जाएगा। भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों के लिए अब कोई नरमी नहीं बची है। बहरहाल, भारत बांग्लादेश संबंध अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। एक ओर कूटनीतिक बातचीत और सहयोग की मजबूरी है, दूसरी ओर राष्ट्रीय सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है।। अमित शाह और बांग्लादेश सीमा बल प्रमुख की मुलाकात इस बात का संकेत है

कांग्रेस का अमित शाह पर बड़ा हमला: लोकतंत्र बर्बाद कर रहे, एमपीएस तोड़ने में जुटे

नई दिल्ली एजेंसी: बुधवार को कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को कमजोर करने और लालच देकर विपक्षी दलों के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कराने का आरोप लगाया। पार्टी का कहना है कि बीजेपी उन नेताओं को निशाना बना रही है जो बीजेपी-विरोधी एजेंडे पर चुनाव जीतकर आए थे। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इस साल की शुरूआत में संसद में मिली हार की भरपाई करने के लिए शाह विपक्ष पर लगातार हमले कर रहे हैं। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके लुभावने प्रस्ताव उन लोगों को बीजेपी में शामिल होने के लिए आकर्षित कर रहे हैं, जो सिर्फ. दो साल पहले बीजेपी-विरोधी मजबूत एजेंडे पर

चुने गए थे। कहा जा रहा है कि उन्हें जो फायदे दिए जा रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। गृह मंत्री का ज़िक्र करते हुए रमेश ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री पूरी तरह से मतलबी अभियान चला रहे हैं, जो बहुत अच्छी तरह से व्यवस्थित है और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की तरह ही, लोगों की जरूरतों के हिसाब से कई तरह की स्कीम और प्रोडक्ट पेश करता है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी बदनीयती की कोई सीमा नहीं है। लेकिन वे अपने असली मकसद में कामयाब नहीं हो पाएंगे। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूटीबी) से नेताओं के पाला बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस नेता का यह बयान आया है। शिवसेना (यूटीबी) नेता संजय राउत ने मंगलवार देर रात आरोप लगाया कि राज्य के सांसदों को लुभाने की कोशिशें की जा रही हैं। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि अपना सपना मनी... मनी! ऐसी जानकारी है कि महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए आज रात 15 करोड़ रुपये की एडवांस रकम दी जाएगी। यह चौंकाने वाला और शर्मनाक है! ये दावे तब सामने आए जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूटीबी) में संभावित बगावत की खबरें तेज हो गईं; कहा जा रहा है कि कुछ लोकसभा सदस्य पार्टी से अलग होने पर विचार कर रहे हैं।

राउत के दिल्ली दौरे के बाद भी सवाल उठे। इससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिल सकते हैं, ताकि संसद में अलग मान्यता पाने की कोशिश कर रहे शिवसेना (यूटीबी) सांसदों के किसी भी कदम को रोका जा सके।

भारतीय सेना के सुरक्षा कवच को भेद पाना दुश्मन के लिए मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा

नई दिल्ली एजेंसी: दुनिया भर में बदलते युद्धक परिदृश्य, ड्रोन हमलों, आत्मघाती विमानों, झुंड आधारित हवाई हमलों और कम लागत वाले घातक मानवरहित हथियारों ने युद्ध की प्रकृति पूरी तरह बदल दी है। ऐसे समय में भारतीय सेना ने ऐसा निर्णायक कदम उठाया है, जो साफ संकेत देता है कि अब भारत दुश्मन के हर हवाई खतरे का जवाब उसी की भाषा में देगा। हम आपको बता दें कि भारतीय सेना के वायु रक्षा महानिदेशालय ने तीन अत्याधुनिक हवाई लक्ष्य प्रणालियों के लिए सूचना अनुरोध जारी किए हैं। इनमें रॉकेट आधारित मध्यवर्ती लक्ष्य प्रणाली, ड्रोन झुंड लक्ष्य प्रणाली और बहु पंखा युक्त उड़न लक्ष्य शामिल हैं। यह पहल आने वाले युद्धों की तैयारी का वह महाअभियान है जिसमें

भारतीय सेना अपने वायु रक्षा सैनिकों को वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में प्रशिक्षित करेगी। यह कदम उस समय आया है जब रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि छोटे और सस्ते ड्रोन भी अरबों की रक्षा व्यवस्था को चुनौती दे सकते हैं। इस संघर्ष ने दिखा दिया कि अब युद्ध केवल टैंक और मिसाइलों से नहीं जीते जाते, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन झुंड और तेज प्रतिक्रिया वाली वायु रक्षा प्रणाली ही असली विजेता तय करती है। भारत ने इस चुनौती को समय रहते पहचान लिया है और सेना ने दुश्मन के हर हवाई षड्यंत्र को ध्वस्त करने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। भारतीय सेना जिस रॉकेट आधारित लक्ष्य प्रणाली को विकसित करना चाहती है, वह विशेष रूप से इंफ्रारेड सिग्नल देने वाली प्रणाली होगी। इसका उद्देश्य उन वायु रक्षा हथियारों को प्रशिक्षित करना है जो इंफ्रारेड सिग्नल का पीछा करके लक्ष्य को नष्ट करते हैं। यह लक्ष्य रॉकेट कम से कम एक सौ अस्सी मीटर प्रति सेकंड की गति से उड़ेगा और तीस सेकंड तक हवा में रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रणाली छह किलोमीटर से अधिक दूरी तय करते हुए डेढ़ हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंच सकेगी। इसका मतलब साफ है कि भारतीय सेना अब केवल पारंपरिक प्रशिक्षण नहीं चाहती, बल्कि वास्तविक मिसाइल और हवाई खतरे जैसे लक्ष्य तैयार कर रही है। सेना ने इस प्रणाली को पर्वतीय क्षेत्रों में भी उपयोग योग्य बनाने पर जोर दिया है। चार हजार दो सौ मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इसकी तैनाती की मांग इस बात का प्रमाण है

बात नहीं बनी तो फिर से बमबारी शुरू कर देंगे, ईरान सीजफायर पर जी7 से ट्रंप की नई धमकी

नई दिल्ली एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म करने के लिए साइन किया गया समझौता अंतिम नहीं है, और अगर तेहरान ठीक से पेश नहीं आता है तो वे फिर से बमबारी शुरू कर सकते हैं। फ्रांस में जी7 समिट में ट्रंप की ये कड़ी बातें जो स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच समझौता ज्ञापन पर आधिकारिक तौर पर साइन होने से ठीक दो दिन पहले कही गईं। इस समझौते के नाजुक होने का संकेत देती हैं। ट्रंप ने कहा कि यह कोई फाइनल समझौता नहीं है। यह सिर्फ. एक समझौता ज्ञापन है। अगर मुझे यह पसंद नहीं आया या वे (ईरान) ठीक से पेश नहीं आए, तो हम सीधे उनके सिर पर बम गिराने लगेंगे... क्योंकि वे 47 सालों से गलत हरकतें करते आ रहे हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के बाद कि ईरान के साथ डील "पूरी" हो गई है और शुक्रवार

को उस पर साइन किए जाएंगे, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को कहा कि दोनों पक्षों ने पहले ही "डिजिटल रूप से डील पर साइन कर लिए हैं"। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समझौते के तहत तेहरान को प्रतिबंधों में कोई भी छूट, समझौते के तहत किए गए वादों को इस्लामिक रिपब्लिक द्वारा पूरा करने पर निर्भर करेगी। अइउ के 'गुड मॉर्निंग अमेरिका' कार्यक्रम में बात करते हुए वेंस ने कहा कि डील पर साइन होने के बाद ईरान को कोई आर्थिक रियायत नहीं दी गई है वेंस ने कहा, हमने कल ही डिजिटल रूप से डील पर साइन कर लिए थे और कोई पैसा जारी नहीं किया गया है, और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।" उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही कि क्या समझौते पर साइन करने के बाद ईरान को प्रतिबंधों से राहत मिलेगी या उसकी फ्रीज की गई संपत्ति तक पहुँच मिलेगी।

मेरी सुरक्षा घटाई, राबड़ी देवी का बंगला छीना... नीतीश कुमार ने करवाया सब: लालू यादव का वार

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद ने बुधवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगले से बेदखल करने और परिवार की सुरक्षा कम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। बंगला खाली करने का नोटिस मिलने और परिवार की सुरक्षा कम किए जाने के बाद लालू ने पत्रकारों से कहा कि हां, हमारी सुरक्षा हटा दी गई है। नीतीश कुमार ने ही यह सब करवाया है। इससे पहले, सिंगापुर से लौटने पर लालू ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सब पागल हो गए हैं। एनडीए सरकार नफरत और बदले की राजनीति कर रही है। 10 सर्कुलर रोड वाला बंगला राबड़ी देवी को विपक्ष की नेता होने के नाते आवंटित किया गया था। राबड़ी, लालू और परिवार के अन्य सदस्य दो दशकों से ज्यादा समय से वहाँ रह रहे थे। हालाँकि, पिछले साल एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद, इस घर को खाली करने का नोटिस भेजा गया था। बंगला खाली करने की समय-सीमा 16 जून को खत्म हो गई। इसके बाद राबड़ी देवी ने लालू की सेहत का हवाला देते हुए सरकार से अनुरोध किया कि उन्हें 39 हार्डिंग रोड पर दिए गए वैकल्पिक घर में एक अलग कमरा और जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। बिहार सरकार ने राबड़ी देवी को 39 हार्डिंग रोड वाला बंगला पहले ही आवंटित कर दिया है, जबकि 10 सर्कुलर रोड वाला घर राज्य के डेयरी, मत्स्य और पशु संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि लालू प्रसाद को संक्रमण का खतरा है और डॉक्टरों ने उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों से अलग रहने की सलाह दी है।

ओपी राजभर के दावे पर अखिलेश यादव का पलटवार: दाना और गाना कब तक चलेगा ये अफसाना

लखनऊ एजेंसी: बुधवार को उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तब बढ़ गई जब उत्तर प्रदेश के मंत्री और एसबीएसपी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि विपक्षी समाजवादी पार्टी में जल्द ही बड़ी टूट हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के कई नेता बीजेपी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। राजभर ने एक्स पर एक पोस्ट में ये बातें कहीं और बाद में एएनआई से बात करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घटनाक्रम जल्द ही उन उथल-पुथल से भी बड़े हो सकते हैं जो अभी दूसरे विपक्षी दलों में देखी जा रही है। वहीं, ओपी राजभर के बयान पर पलटवार करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि दाना और गाना कब तक चलेगा ये अफसाना। आपको बता दें कि राजभर के ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब राजनीतिक ध्यान महाराष्ट्र पर केंद्रित है, जहां शिवसेना (यूटीबी) अनिश्चितता का सामना कर रही है। ऐसी खबरें हैं कि पार्टी

के कुछ लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्ताधारी शिवसेना में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। महाराष्ट्र के हालात से तुलना करते हुए राजभर ने दावा किया कि अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के भीतर भी बड़े राजनीतिक घटनाक्रम हो रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में राजभर ने दावा किया कि वरिष्ठ सपा नेता राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। हालाँकि, उन्होंने इस कथित बातचीत के बारे में कोई सबूत या विवरण नहीं दिया। राजभर ने लिखा कि समाजवादी पार्टी में जल्द ही बड़ी फूट पड़ने वाली है। राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी को एक पत्र सौंपा है। राजभर ने अपने आरोपों को समाजवादी पार्टी से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों से जोड़ा और दावा किया कि चल रही जांच की वजह से पार्टी के भीतर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश में हर कोई जानता है कि माइनिंग स्कैम और गोमती रिवर फ्रंट स्कैम का मास्टरमाइंड कौन है। जैसे-जैसे शिकंजा कस रहा है, सपा बेचैन हो रही है।

टेलीग्राम इंडिया बैन: मोदी जी, नाटक छोड़िए! राहुल गांधी बोले- माफिया पर वार करें, छात्रों पर नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने बुधवार को नीट-यूजी पेपर लीक की चिंताओं के बीच टेलीग्राम पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही है। यह कदम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा मंगलवार को भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर एक तय और सीमित समय के लिए रोक लगाने के बाद उठाया गया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी, जिसमें नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा का दिन और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि टेलीग्राम पर बैन- पेपर लीक रोकने के लिए मोदी सरकार का नया हथकंडा। यानी, चोर को पकड़ने के बजाय, पीड़ित के दरवाजे पर ही ताला लगा दो। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लाखों छात्र सालों से टेलीग्राम पर पढ़ाई कर रहे हैं और पेपर लीक की समस्या का समाधान इस सुविधा को छीनना नहीं है। पोस्ट में लिखा था कि लाखों

छात्र सालों से टेलीग्राम पर पढ़ाई कर रहे हैं - नोट्स, टेस्ट सीरीज, चर्चा और तैयारी। तो फिर, उस सुविधा को छीनना पेपर लीक का समाधान कैसे हो सकता है? ऐसे कदमों की असरदारता पर सवाल उठाते हुए

राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद के बीच टेलीग्राम पर प्रतिबंध को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही है, इसे 'चोर को पकड़ने के बजाय पीड़ित के दरवाजे पर ताला लगाने' जैसा बताया। गांधी ने कहा कि लाखों छात्र टेलीग्राम पर पढ़ाई करते हैं

उन्होंने लिखा कि और यह तरीका पूरी तरह सुरक्षित भी नहीं है - देश का हर छात्र यह बात जानता है, और पेपर लीक करने वाला माफिया भी। तो, अगला बैन किस पर लगेगा? व्हाट्सएप पर? परीक्षा के दिन की व्यवस्थाओं पर तंज कसते हुए गांधी ने कहा कि परीक्षा के दिन छात्रों की तलाशी ली जाएगी। कैंची से जेबें काटी जाएंगी। प्रश्न पत्र एयर फोर्स के जरिए भेजे जाएंगे। ड्रामेबाजी की कोई कमी नहीं होगी। लेकिन समस्या की जड़ पर कोई प्रहार नहीं होगा - क्योंकि पेपर लीक माफि या इसी सरकार की नाक के नीचे फल-फूल रहा है और युवाओं को खून के आँसू रुला रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी - ड्रामेबाजी छोड़िए। माफि या पर प्रहार कीजिए, छात्रों पर नहीं। 'छात्रों की आवाज' सुनिए - वरना देश के युवा जानते हैं कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। यह बयान तब आया है जब केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अनुरोध पर टेलीग्राम को ब्लॉक करने का आदेश दिया। एनटीए ने आरोप लगाया था कि संगठित नकल गिरोह इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को गुमराह करने और उनके साथ धोखाधड़ी करने के लिए कर रहे थे।

संपादकीय

'चिट्टा' की चुनौती

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान ह्यचिट्टा-मुक्त गांवह्न में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति शृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है।

वेतन से आगेः विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ. अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के 'भाग अ' के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोजगार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती हैः पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफओ पोर्टल के जरिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ.योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोजगार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग इ में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज्यादा रोजगार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरूआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरूआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के लिए रोजगार-आधारित विकास के जरिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोजगार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद 'स्वतंत्र भारत' से 'समृद्ध भारत' तक के सफर को मजबूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71%) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30%) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोजगार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है। सिर्फ. प्रोत्साहन राशि के अलावा, पीएम-वीबीआरवाई से रवि को एक ईपीएफओ खाता और एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिला है। इससे वह एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए हैं, जो भविष्य निधि योगदान, बीमा सुरक्षा और कानूनी रोजगार लाभ भी देता है। उनके जैसे पहली बार औपचारिक रोजगार पाने वाले कई लोगों के लिए, यह सामाजिक सुरक्षा कवरेज और एक व्यवस्थित रोजगार से जुड़ने का एक बेहतर मौका है। लगातार छह महीने तक नौकरी करने की शर्त का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस योजना के तहत बनी नौकरियां असल करियर की नींव बनें। लंबे समय तक औपचारिक रोजगार से कई क्षेत्रों में नौकरियों में काम आने वाला कौशल विकसित होता हैं, पेशेवर तौर-तरीके सीखने को मिलते हैं और भविष्य में नौकरी पाने की क्षमता भी मजबूत होती है। इससे मिलने वाले फायदे योजना के तहत मिलने वाली मदद की अवधि के बाद भी बने रहते हैं। रोजगार के मौके पैदा करना एक अहम नीतिगत लक्ष्य है। उतना ही जरूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि रवि जैसे कर्मचारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाए रख सकें, जहाँ रोजगार के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कवरेज और संस्थागत सुरक्षा भी मिलती है। जैसे-जैसे ज्यादा युवा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में छह महीने, एक साल और उससे ज्यादा समय बिताते हैं, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है और छोटे संस्थान भी औपचारिक तरीके से लोगों को काम पर रखने की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां मिलने का अनुमान है और औपचारिक अर्थव्यवस्था का यह धीरे-धीरे बढ़ता दायरा ही वह बदलाव है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए पीएम-वीबीआरवाई को लाया गया है।

(लेखक नीति आयोग के सदस्य हैं)

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता। लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।

गौ सेवा में जुटे समाजसेवी, गर्मी से बचाने को दिए पंखे और एयर कूलर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में संरक्षित गौ वंश की सहायता की दिशा में सराहनीय कार्य करते हुए प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ० पंकज ने जिले की विभिन्न गौशालाओं में संरक्षित गौवंश को गर्मी से बचाने के लिए 40 पंखे और 3 बड़े एयर कूलर दान किए। मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में यह दान समारोह आयोजित किया गया। डॉ० पंकज, जो शार्प विजन आई हॉस्पिटल संचालित करते हैं, पहले भी खेया माफी स्थित गौ आश्रय स्थल में 100 क्विंटल भूसा दान कर चुके हैं। उनकी इस पहल की जिले भर में सराहना हो रही है। डॉक्टर साहब का कहना है कि गौमाता की सेवा ही सच्ची सेवा है और गर्मी के इस प्रचंड मौसम में पशुओं को राहत पहुंचाना हमारा नैतिक कर्तव्य है।इस दौरान कई गणमान्य व्यक्ति भी गौ सेवा में सहयोग के लिए आगे आए हैं। धनौरा के प्रसिद्ध व्यवसायी प्रिंस अग्रवाल, जिनकी शिवचरण ज्वेलरी की दुकान है, ने चुचेला कला गौशाला के सभी शेड्स में फागर (फॉगर्स) लगवाए हैं, जिससे गौवंश को ठंडक मिल सकेगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (CVO) ने सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए

कहा कि ऐसे कार्यों से समाज में गौ संरक्षण की भावना मजबूत होती है। उन्होंने अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे अपनी क्षमता अनुसार गौशालाओं को सहयोग करें। यह पहल अमरोहा जिले में गौ सेवा की मिसाल बन गई है।

भाकियू (शंकर) की आदमपुर में मासिक पंचायत, उठाए बिजली-पानी समेत कई मुद्दे

पक्के पुल, स्थायी बीडीओ और आवारा पशुओं पर नियंत्रण की मांग

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय किसान यूनियन (शंकर) की मासिक पंचायत शिव मंदिर आदमपुर के प्रांगण में आयोजित की गई। अध्यक्षता कमल सिंह ठाकुर ने की तथा संचालन शीशपाल ने किया। पंचायत में वक्ताओं ने क्षेत्र की तमाम समस्याओं पर चर्चा की और प्रशासन से समाधान की मांग उठाई। यूनियन ने कहा कि गंगेश्वरी क्षेत्र में अत्यधिक विद्युत कटौती हो रही है। इससे किसानों की फसलें सूख रही हैं और घरेलू आपूर्ति भी प्रभावित है। भाकियू शंकर ने शेड्यूल के अनुसार विद्युत आपूर्ति की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि विकासखंड गंगेश्वरी में खंड विकास अधिकारी की स्थाई तैनाती न होने से विकास कार्य प्रभावित हैं। जनता के कार्यों का समय से निस्तारण नहीं हो पा रहा। यूनियन ने स्थायी बीडीओ की तैनाती की मांग की। मां अवंतिका देवी मंदिर के सामने पैटर्न पुल पर हादसे का खतरा बना रहता है। यूनियन ने पक्का पुल बनाने और हरिद्वार की तर्ज पर इलेक्ट्रॉनिक शवदाहगृह बनवाने की मांग की। साथ ही सिरसा एतामाली से सिलारा तक हरि बाबा बांध पर कच्चे रास्ते को पक्का कराने की मांग उठाई, जिससे सावन में लाखों कांवड़ियों को राहत मिले। यूनियन ने आरोप लगाया कि यूपी में फॉर्म रजिस्ट्री के नाम पर किसानों का शोषण हो रहा है। यूरिया व डीएपी भरपूर मात्रा में उपलब्ध कराने की मांग की गई। हर घर जल योजना के तहत गांवों में करोड़ों के ओवरहेड टैंक बने हैं, लेकिन मुबारिजपुर, सुवरा, खनौरा आदि गांवों में आज तक पानी की सप्लाई नहीं पहुंची। गंगेश्वरी क्षेत्र में आवारा पशुओं से फसलें बर्बाद हो रही हैं। करोड़ों की गौशाला शोपीस बनी है। यूनियन ने आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजने की मांग की। ग्राम मुबारिजपुर के मजरा हाजीपुर में रूपराम के घर से होराम के घर तक खड़ंजा निर्माण की भी मांग उठाई। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. योगेंद्र कुमार, ब्लॉक उपाध्यक्ष शीशपाल सिंह, कोषाध्यक्ष कमल सिंह ठाकुर, राकेश कुमार दौरारा, मीडिया प्रभारी कलुआ, धनपत, गोकल, लालू, इंद्रपाल आदि मौजूद रहे। यूनियन ने चेताया कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन किया जाएगा।

हसनपुर-भदौरा मार्ग 4 साल से क्षतिग्रस्त, किसानों ने किया प्रदर्शन

गड्ढों में पलट रहे वाहन, मौत के बाद भी नहीं जागा विभाग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र का हसनपुर-भदौरा मार्ग पिछले चार वर्षों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। गड्ढों में तब्दील हो चुकी इस सड़क से चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति करने वाले किसान और माल ढोने वाले वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। मजबूरन किसानों को अपना लदा वाहन दूरदराज के रास्तों से ले जाना पड़ रहा है। खस्ताहाल सड़क के कारण स्कूल वाहन समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। सवारी ढोने वाले ई-रिक्शा आए दिन गड्ढों में पलट जाते हैं। ग्राम राजानागल के पास सड़क पर टेंपो पलटने से एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है। गत वर्ष ग्राम शेखुपुर झकड़ी में आयोजित रामकथा में क्षेत्रीय सांसद के पहुंचने पर क्षेत्रवासियों ने समस्या बताई थी। सांसद ने पीडब्ल्यूडी समेत संबंधित विभागों से जल्दी समाधान कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन किसी विभाग ने ध्यान नहीं दिया। लगातार अनदेखी से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्दी समाधान न होने पर मजबूरन जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, योगेंद्र सिंह, महिपाल सिंह, ओमप्रकाश सिंह, सरदार सिंह, कलुआ, अतुल, सुरेन्द्र सिंह, मोनू, बलवंत सिंह, नकुल सिंह, रामफल सिंह आदि मौजूद रहे।

केन्द्र सरकार के सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लगाई गई विकास प्रदर्शनी का हुआ भव्य शुभारम्भ

अमरोहा (सब का सपना):- सुशासन को समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 140 करोड़ भारतीय की निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने एवं उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन के 09 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास भवन परिसर में जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उ.प्र. लखनऊ द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर भव्य शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास प्रदर्शनी व जनपद के विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भ्रमण कर अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित शहद खरीदकर प्रेरित किया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को आकर्षक किट और डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित किया गया। जिलाधिकारी डा0 नितिन गौड़ के निर्देश पर जनपद की विकासपरक योजनाओं पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों यथा-कृषि, स्वास्थ्य, महिला कल्याण, उद्यान विभाग, बाल विकास परियोजना, खादी ग्रामोद्योग, पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला प्रोबेशन, पीएम नेडा सूर्यघर, कौशल विकास/आई0टी0आई0, उद्योग विभाग, एन0आर0एल0एम0 समूह की महिलाओ द्वारा स्वनिर्मित उत्पाद से सम्बन्धित सामाग्रियो का प्रदर्शनी में अपनी-अपनी योजनाओ से सम्बन्धित प्रचार प्रसार हेतु सामाग्रिया लगाई गई थी, जिसका उपस्थिति अतिथियों द्वारा एक-एक स्टाल का अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में लगाइ गई सेल्फी पॉइंट पर पहुंचकर जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों एवं उपस्थित आमजनन द्वारा सेल्फी ली गई। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग लखनऊ के तत्वाधान में विकास प्रदर्शनी प्रमुख रूप से आकर्षण का केन्द्र रही। जनप्रतिनिधियों द्वारा इसकी सराहना करते हुए कहा कि जनपद के लोगों को इस प्रदर्शनी के अवलोकन से योजनाओ के बारे में जानकारी व योजनाओ के उपलब्धियो के जन जागरूकता में महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से श्री राम जन्म भूमि, काशी विश्वनाथ कारीडोर, महाकुम्भ 2025, राष्ट्र प्रेरणा स्थल, नारी शक्ति उत्थान, उन्नत किसान समृद्ध प्रदेश, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्यघर, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पीएम विश्वकर्मा योजना, स्वास्थ्य सुरक्षा आवास एवं शिक्षा आजीविका के साधन यातायात कनेक्टिविटी यथा-फोर लेन व एक्सप्रेस वे रोड सहित सभी योजनाओ पर आधारित चित्र व फोटो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की योजनाओ में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री कृषक दुघर्टना सहायता, पेंशन योजनाओ सहित प्रदेश में यातायात कनेक्टिविटी पुलिस निर्माण के अलावा प्रदेश सरकार द्वारा जनपद अमरोहा में कराए गए कार्यो में गंगा एक्सप्रेस वे, पुलिस लाईन, जिला सैनिक कल्याण विभाग का नया परिसर, मैंगो पैक्ड हाउस आदि सहित अन्य योजनाओ पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी लगाई गई है। कार्यक्रम में केन्द्र सरकार की 12 वर्षो और प्रदेश सरके की 09 वर्षों की उपलब्धियो के साथ विकसित भारत और उत्तर प्रदेश के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि सरकार गरीब, किसान, महिला, युवा एवं कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होनें कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार राजधर्म का पालन करते हुये विकास के नये आयाम लिख रही है। कहा कि सरकार द्वारा बिना भेदभाव के सभी को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उपस्थित सभी ने केन्द्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं विभिन्न योजनाओं का विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, पी0डी0डी0आर0डी0ए0 अम्बरीष कुमार, जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश सहित मा. अन्य जनप्रतिनधिगण, पार्टी पदाधिकारी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट स्थित सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम गत माह की शिकायतों के निस्तारण आख्या की समीक्षा गई। आज के किसान दिवस में गन्ना विभाग, सिंचाई विभाग एवं मध्यगंगा नहर निमार्ण खण्ड-4 में पानी का समय से नहीं आना आदि रही। जिलाधिकारी द्वारा सम्बधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिक के साथ शीघ्रता से गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के सख्त निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व बैठक में दिए गए निदेर्शों का अनुपालन न करने पर सिंचाई विभाग के अधिकारी का स्पष्टीकरण जारी करने के साथ शिकायत का निस्तारण एक सप्ताह में करने के निर्देश दिए। किसान दिवस में जनपद के समस्त संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारीयों की उपस्थिति में सभी कृषक बन्धुओं की समस्यों को ध्यान पूर्वक सुना गया। किसान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह, उप कृषि निदेशक महेन्द्र पाल सिंह, जिला कृषि अधिकारी एवं कृषक एवं किसान संगठन के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

गजरौला क्षेत्र में चोरी के शक में दो युवकों को पेड़ से लटकाया, वीडियो वायरल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दो युवकों को पेड़ से लटकाने का मामला सामने आया है।आरोपी द्वारा दोनों युवकों के साथ इस कृत्य को चोरी के शक में किया गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है वायरल वीडियो में दोनों युवकों को कथित तौर पर घंटो तक पेड़ पर लटकाया गया और प्रताड़ित किया गया। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। बता दें कि यह पूरी घटना गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव शीशोवाली की है। जहां कुछ लोगों ने चोरी के शक में दो युवकों को पड़कर उन्हें एक पेड़ पर लटका दिया और उन्हें प्रताड़ित करने लगे साथ ही वहां मौजूद लोगों में से किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दोनों युवक पेड़ से बंधे हुए हैं और उनके आसपास लोगों की भीड़ जमा है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल रहा है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है।इस मामले में गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है। वीडियो की जांच के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मंडी धनौरा में डिजिटल रजिस्ट्री योजना का विरोध, अधिवक्ताओं ने रजिस्ट्री कार्यालय पर तालाबंदी कर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में अधिवक्ताओं द्वारा डिजिटल रजिस्ट्री योजना का विरोध करते हुए रजिस्ट्री कार्यालय पर तालाबंदी की गई,इस दौरान अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन धनौरा उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे को सौंपा, ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री से योजना वापस लेने की मांग की है। बता दें कि मंडी धनौरा में अधिवक्ताओं ने बुधवार को प्रस्तावित डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था का जोरदार विरोध किया। बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ताओं ने उपनिबंधक कार्यालय (रजिस्ट्री कार्यालय) पर तालाबंदी कर अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम शैलेश दुबे को सौंपा, जिसमें सरकार से इस योजना को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई।इससे पहले, बार सभागार में बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप गुप्ता एडवोकेट की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महानिदेशक निबंधन, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रस्तावित डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि यह व्यवस्था लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बैठक में मौजूद सभी अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से इस योजना का विरोध करने का निर्णय लिया।बैठक के बाद, अधिवक्ता जुलूस के रूप में उपनिबंधक कार्यालय पहुंचे और वहां तालाबंदी कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने योजना को तुरंत वापस लेने की मांग उठाई। इस प्रदर्शन के कारण रजिस्ट्री संबंधी कार्य पूरी तरह प्रभावित रहे और कार्यालय में सामान्य कामकाज नहीं हो सका।इसके उपरांत, अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम शैलेश दुबे को सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से आम नागरिकों, किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भारी परेशानी होगी। इसलिए, सरकार से इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करते हुए इसे तत्काल निरस्त करने का आग्रह किया गया।बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था वर्तमान परिस्थितियों में व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने सरकार से इस पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया।इस विरोध प्रदर्शन में विनोद कुमार शास्त्री, मूलचंद त्यागी, सहदेव भारती, भरत सिंह सैनी, शिवकुमार सैनी, जयप्रकाश सैनी, ओमवीर सैनी, हितेश टोनिया, राजपाल सिंह, आलोक भारती, राजीव सैनी, अशोक त्यागी, शाहनावाज सैफी, विकास कुमार, लवकुश, अनिल भटनागर, सर्वेश शर्मा, संदीप गुप्ता, वरुण ढिल्लों, जितेन्द्र गिल, प्रदीप अग्रवाल, चौधरी अली रफी, मदनपाल सैनी, धर्मेंद्र लखमीचंद, सिद्धार्थ यादव और कपिल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल रहे।

हरिद्वार में आयोजित होने वाले चिंतन शिविर के लिए रवाना हुए हजारों किसान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा रेलवे स्टेशन से बुधवार को हरिद्वार में आयोजित होने वाले चिंतन शिविर में शामिल होने के लिए किसान रवाना हुए। भारतीय किसान यूनियन के तत्वावधान में उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित वीआईपी घाट पर चार दिवसीय वार्षिक चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भाग लेने के लिए अमरोहा जनपद से हजारों की संख्या में किसान रवाना हुए। बता दें कि बुधवार को भारतीय किसान यूनियन के किसान मंडी धनौरा रेलवे स्टेशन पहुंचे और मंसूरी एक्सप्रेस ट्रेन पकड़कर हरिद्वार के लिए कूच किया। इस जत्थे का नेतृत्व मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी दानवीर सिंह, जिला अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह और मंडल अध्यक्ष सोवीर सिंह ने किया। रेलवे स्टेशन पर किसानों ने नारे लगाए।अमरोहा जिले के किसानों की ओर से हरिद्वार में एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है, जो शिविर के चारों दिन चलेगा। इस चिंतन शिविर में उत्तर प्रदेश के सभी जिलों सहित देश के विभिन्न राज्यों से लाखों किसानों के जुटने की उम्मीद है।किसानों को रवाना करते हुए जिला मीडिया प्रभारी फुलवास सिंह ने बताया कि इस शिविर में किसानों की समस्याओं, गन्ने के भुगतान, बिजली और कर्ज माफी जैसे गंभीर मुद्दों पर मंथन किया जाएगा।इस अवसर पर मुख्य रूप से जयपाल सिंह, जसवंत सिंह, जितेंद्र सिंह, भगवान सिंह, गुरमीत सिंह चंचू, देशराज सिंह, सुभाष चीमा, काले सिंह, मुकेश चौधरी, शीशपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, कुमार दीपक सिंह, अमरजीत सिंह, जगतपाल सिंह, सरजीत सिंह, शुभम उर्फ छोटू, भोपाल सिंह, राजकुमार, वीरेंद्र सिंह, रामप्रसाद सिंह, राजेंद्र सिंह, सोनू सिंह, रोहतास सिंह, झूंडा सिंह, महिपाल यादव, हनी चौधरी, ओमपाल सिंह टोनिया, बलराम सिंह, हरि सिंह, इंद्रपाल सिंह, सतपाल सिंह, मुमताज खां, फकीरा खां, प्रताप सिंह, कैलाश यादव, वीरेंद्र सिंह, अरुण गिल, मुन्नू सिंह, रिंकू संधू, शुभम देवल, सुभाष, योगेंद्र सिंह, गुड्डू सिंह हिरना खेड़ी, कल्याण सिंह और फाटे सिंह सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र ने 27 में से ग्यारह मामलों का किया निस्तारण

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निदेर्शानुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज रावत और क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस परिवार परामर्श-सुलह समझौता केंद्र की बैठक हाल ही में पिंक चौकी गौशाला रोड स्थित चंदौसी परामर्श केंद्र में सम्पन्न हुई। बैठक की निगरानी चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थाना अध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने की और उन्होंने काउंसलरों तथा पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर घरेलू विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया।बैठक में कुल 27 पत्रावलियों की सुनवाई की गई जिनमें पति-पत्नी के बीच विभिन्न प्रकार के पारिवारिक और वैवाहिक विवाद शामिल थे। मामलों की सुनवाई में केंद्र द्वारा त्वरित काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए तथा दोनों पक्षों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास किया गया। काउंसलरों की देखरेख में पक्षों को भावनात्मक समर्थन, कानूनी विकल्पों की जानकारी और घरेलू परिस्थितियों के सुधार हेतु व्यवहारिक सुझाव दिए गए।सुनवाइयों में से 11 मामलों का सुलह समझौते के माध्यम से सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। विशेष रूप से छह मामलों में मद्धता और समझौते के बाद परिवारों का पुनर्मिलन करवा कर पति-पत्नी को पुनः साथ रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया जिससे परिवारों में शांति बहाल होने की उम्मीद जगी। पांच पत्रावलियाँ आवेदक द्वारा बल न देने व कुछ अन्य प्रक्रियात्मक कारणों से अस्थायी रूप से बंद कर दी गई।शेष मामलों में काउंसलिंग की जरूरत अतिरिक्त जानकारी या कानूनी परामर्श की आवश्यकता बताई गई जिनके निस्तारण के लिए आगे भी परामर्श केन्द्र द्वारा फॉलो-अप की योजना बनाई जा रही है।चंदौसी परामर्श केंद्र की टीम ने कहा कि परिवारों के बीच संवाद बढ़ाने और घरेलू हिंसा व विवादों को बढ़ने से पहले रोकने के लिए इस तरह के सुलह कार्यक्रम आवश्यक हैं। मौके पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोरा, सब-इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह और अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे जिन्होंने मामलों के निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ विवादों को सुलझाने में योगदान दिया।

दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव में रहेगा सरकार का प्रतिनिधित्व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को भगवान दक्ष प्रजापति जयंती विशाल महोत्सव समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके आवास लखनऊ में शिष्टाचार भेंट कर आगामी 25 जुलाई को भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव में सहभागिता हेतु औपचारिक निमंत्रण पत्र भेंट किया।इस अवसर पर समिति की ओर से उपमुख्यमंत्री को दक्ष प्रजापति का चित्र एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आमंत्रित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने भगवान दक्ष प्रजापति के जीवन, उनके सृजनात्मक योगदान, सामाजिक संगठन, सांस्कृतिक मूल्यों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके आदर्शों पर विस्तार से चर्चा की।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि भगवान दक्ष ब्रह्मा के मानस पुत्र प्रजापति भारतीय सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था एवं सृजन परंपरा के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि भगवान दक्ष प्रजापति केवल एक समाज विशेष के आराध्य नहीं, बल्कि समस्त मानव समाज के लिए संगठन, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं सृजनशीलता के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने महोत्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का प्रतिनिधित्व इस महत्वपूर्ण आयोजन में अवश्य रहेगा। उन्होंने समाज की एकता, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्र निर्माण में प्रजापति समाज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि संगठित समाज ही अपने अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बना सकता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास, सामाजिक नेतृत्व और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति ,कार्यक्रम संयोजक रजनीश कुमार प्रजापति, कोषाध्यक्ष योगेश कुमार प्रजापति, पतराम सिंह सहित समिति के पदाधिकारी एवं समाज के अनेक गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकली ऐतिहासिक शोभायात्रा, सर्व समाज की सहभागिता बनी आकर्षण

असमोली/संभल(सब का सपना):- विकासखंड असमोली के ग्राम गुमसानी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर करणी सेना के जिलाध्यक्ष ठाकुर रितिक राजपूत के नेतृत्व में पहली बार भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आयोजन में विभिन्न समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। शोभायात्रा का शुभारंभ हनुमान मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकली और छोटे शिव मंदिर पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान भगवा ध्वज, ढोल-नगाड़ों, जयघोष, फूलों की वर्षा और आतिशबाजी ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू मौजूद रहे। उनके साथ जिला महामंत्री हरिओम शर्मा और मंडल अध्यक्ष रोहित पंवार ने भी सहभागिता की। वहीं, लोकगायक विजेंद्र राणा ने भजनों और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर करणी सेना के जिलाध्यक्ष ठाकुर रितिक राजपूत ने कहा कि महाराणा प्रताप पूरे राष्ट्र के गौरव हैं और उनका जीवन साहस, स्वाभिमान तथा राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सर्व समाज के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। कार्यक्रम में विक्रांत ठाकुर, यशपाल सिंह, मनोज प्रजापति, सुखवीर सिंह, अविनाश पाल, राजेश चौहान, सुमित प्रजापति, वीरपाल सिंह,

राजीव राघव, मास्टर बृजपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, सुनील ठाकुर, आकाश राघव, प्रिंस कठेरिया, अभिनंदन सिंह, विनोद चंद्रा, नितिन पाल, लक्की पाल, प्रदीप श्रीवास्तव, राहुल ठाकुर, अभिषेक ठाकुर, रवि ठाकुर, रविन्द्र प्रताप सिंह, लवकुश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और करणी सेना के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संभल पुलिस ने करोड़ों रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ किए नष्ट

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन दहन के तहत सम्भल पुलिस ने बुधवार को नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जनपद के पांच थानों में दर्ज 20 अभियोगों से बरामद 12,343.74 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थों का विधिवत विनिष्टीकरण कराया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 18 करोड़ 54 लाख 98 हजार 500 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में थाना बहजोई, हयातनगर, कैलादेवी, बनियाठेर तथा जीआरपी चन्दौसी से संबंधित मामलों में न्यायालय के आदेशानुसार जब्त डोडा, चरस, नशीला पाउडर, नशीली गोलियां समेत अन्य मादक पदार्थों को सुरक्षित तरीके से नष्ट किया गया। विनिष्टीकरण की प्रक्रिया बबराला स्थित पुनः चक्रण प्राइवेट लिमिटेड के संयंत्र में पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए उच्च क्षमता वाले इंसीनरेटर के माध्यम से सम्पन्न हुई। इस दौरान संयंत्र प्रबंधक पंकज कुमार एवं उनकी टीम ने पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। पूरी कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत और क्षेत्राधिकारी लाइन स्तुति सिंह की मौजूदगी में गठित ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में कराई गई। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की फोटो और वीडियोग्राफी भी कराई गई। इस दौरान प्रभारी नारकोटिक निरीक्षक कश्मीर सिंह यादव, कांस्टेबल मृगनेन्द्र प्रताप सिंह तथा संबंधित थानों के हेड मोहर्रिर भी मौजूद रहे। सम्भल पुलिस ने कहा कि 'ऑपरेशन दहन' के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि जनपद में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

ट्रैक्टर की टक्कर से किशोर की मौत के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में ट्रैक्टर की टक्कर से 15 वर्षीय किशोर की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात के 24 घंटे के भीतर नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को ग्राम पाठकपुर निवासी रामपाल पुत्र सुम्मेरी ने थाना बहजोई में तहरीर देकर बताया कि उनके 15 वर्षीय पुत्र नितिन को एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के संबंध में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर थाना बहजोई पुलिस ने सादातबाड़ी-खजरा खाकम रोड स्थित मंदिर के पास से नामजद आरोपी शानू पुत्र पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है, ताकि कानून व्यवस्था कायम रहे और अपराधियों में कानून का भय बना रहे।

स्वरोजगार एवं वित्तीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में जनपद के सभी बैंकों के साथ शासन की प्रमुख स्वरोजगार एवं वित्तीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, ओडीओपी योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लंबित, स्वीकृत एवं अस्वीकृत ऋण आवेदनों की बैंकवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) को निर्देश दिए कि बैंकों द्वारा लंबित और अस्वीकृत आवेदनों की रैंडम जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें किन कारणों से रोका या निरस्त किया गया है। उन्होंने विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों से भी अधिक संख्या में आवेदनों के अस्वीकृत होने के कारणों की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि ऋण स्वीकृति से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि आवेदक ने सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए हैं और वह योजना की पात्रता पूरी करता है। यदि किसी आवेदन में कोई कमी हो तो संबंधित आवेदक को बुलाकर स्पष्ट जानकारी दी जाए, ताकि वह समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा सके। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी पात्र आवेदक के आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित या अस्वीकृत न किया जाए। साथ ही उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन आवेदनों को अनुचित रूप से निरस्त किया गया है, उन्हें दोबारा परीक्षण के लिए सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, परियोजना निदेशक डीआरडीए अखिलेश कुमार चौबे, अग्रणी जिला प्रबंधक ललित रॉय, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक समन्वयक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मोहर्रम की तैयारी को लेकर जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गइ

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल व पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में आगामी मुहर्रम पर्व की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में सुरक्षा, व्यवस्थापन तथा शांति बनाये रखने पर जोर दिया गया।अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने निर्देश दिए कि ताजिया एवं डीजे की ऊंचाई जमीन से 12 फीट से अधिक नहीं होगी। ताजिया तथा अलम के गुजरने वाले मार्गों की स्थिति, विद्युत तारों की ऊंचाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी व सुझाव लिये गये। जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता (विद्युत) को विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने और किसी भी लापरवाही से बचने के निर्देश दिये।पीस कमेटी ने साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को सुचारू रखने पर बल दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के आदेश दिये। पुलिस निगरानी व कानून-व्यवस्थाः पुलिस अधीक्षक ने जिन मार्गों से ताजिये निकाले जाएंगे उनकी व्यवस्था की निगरानी पुलिस के नोडल अधिकारियों द्वारा करने तथा जुलूसों के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात रखने के निर्देश दिये। डीजे की आवाज शासन निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश भी दिये गये।जिले में होने वाले मेलों का उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे और वहां उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का परीक्षण कर समय रहते निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।मेले व कर्बला स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया गया ताकि प्रभावी निगरानी हो सके और सुरक्षा और सुदृढ़ हो। ताजियादारों से भी कर्बला स्थलों पर कैमरे लगाने का अनुरोध किया गया। जिलाधिकारी ने जिला अग्निशमन अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि मुहर्रम दौरान एम्बुलेंस व फायर ब्रिगेड पूरी तरह मुस्तैद रहें।जिन मार्गों से जुलूस निकाले जाने हैं तथा जहां मेले आयोजित होंगे, उनका स्थलीय निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने त्योहार के दौरान किसी नई परंपरा के आरंभ न करने का भी निर्देश दिया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी विकास चंद (गुन्नौर), नीतू रानी (चंदौसी), निधि पटेल (संभल), डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, रामानुज, अवधेश कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारी, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष असगर अंसारी, जनप्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी व पीस कमेटी सदस्य मौजूद रहे।

जेठ पर दुष्कर्म का आरोप, विधवा ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

शिकारपुर/बुलन्दशहर (सब का सपना):- पति की मौत के बाद उत्पीड़न का शिकार होने का आरोप लगाते हुए एक विधवा महिला ने अपने जेठ समेत परिवार के कई लोगों के खिलाफ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। महिला ने आरोपियों पर दुष्कर्म, मारपीट और बेटी को अपने कब्जे में रखने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार वर्ष 2019 में उसके पति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद वह अपने बच्चों के साथ ससुराल में रह रही थी। आरोप है कि पति की मौत के बाद जेठ की नीयत खराब हो गई और उसने महिला के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे और उसके बच्चों को धमकियां दी जाती थीं। पीड़िता का आरोप है कि एक दिन मौका पाकर जेठ ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी किसी को देने पर बच्चों समेत जान से मारने की धमकी भी दी गई। महिला का कहना है कि जब उसने परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी तो उल्टा उसके साथ मारपीट की गई और उसे घर से निकाल दिया गया। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी नाबालिग बेटी को भी उससे अलग कर दिया गया है और वह वर्तमान में आरोपियों के पास है। महिला ने स्थानीय पुलिस पर भी सुनवाई न करने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से न्याय की मांग की है। पीड़िता ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है। वहीं पुलिस अधीक्षक का कहना है कि शिकायत की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आम रास्ते पर होती सांडों की लडाई

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- सांडों की लडाई होना आम बात हो गई है।कभी गांव में आम रास्ते पर तो कभी सडको पर जिससे आने जाने वाले रास्ता बदलकर जाने को मजबर हो जाते हैं।ऐसा ही एक वाकिया बुगरासी बरहाना मार्ग पर हुआ। बुधवार सुबह को जब दिनचर्या को जाने वाले आदमी सडक पर जारहे थे दो सांड आपस में लडते दिखाई दिये।सडक पर चलने वाले लोग दूर से ही रास्ता बदलकर दिन चर्या को गये।बरहाना निवासी राकेश कुमार ने बताया कि ये तो इन सांडो का तीसरे दिन का काम है

कभी कभी तो लड़कों को आदमी बचाने की कोशिश करता है तो उसके उपर ही दौड पडते है बडी मुश्किल से जान बचाकर भागना पडता है।ये सांड जब लडते लडते थक जाते हैं तभी हटते हैं।नही तो घंटों तक भी लडते रहते हैं।इन सांडो से बडी परेशानी हैं, शिकायत भी करे तो सभी पल्ला झाड लेते हैं। सबकुछ भगवान भरोसे है।

शराब सेल्समैन पर जानलेवा हमला, लाखों की नकदी लूटने का आरोप; गंभीर हालत में रेफर

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र में एक शराब सेल्समैन पर देर रात जानलेवा हमला कर लूटपाट किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हमलावरों ने सेल्समैन को अधमरी हालत में छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऊदल सिंह पुत्र रामपाल सिंह, निवासी ग्राम गंधौर, थाना हीमपुर दीपा, ब्लॉक जलीलपुर स्थित एक शराब की दुकान पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत हैं। बताया जाता है कि शनिवार देर रात करीब साढ़े दस बजे वह दुकान बंद कर दिनभर की बिक्री की नकदी लेकर घर लौट रहे थे।

आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे दर्जनों हमलावरों ने उनकी बाइक रोक ली और लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर दिया। हमले से ऊदल सिंह सड़क पर गिर पड़े, जिसके बाद उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। पीड़ित के अनुसार हमलावरों ने उनके पास मौजूद लाखों रुपये की नकदी भी लूट ली।

घटना में ऊदल सिंह के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा हमलावरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। लूट और हमले के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

दहेज हत्या प्रकरण में एक और गिरफ्तार, पति और ससुर के बाद सास भी पुलिस गिरफ्त में

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा पुलिस ने दहेज उत्पीड़न और विवाहिता की मौत के मामले में वांछित एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस मामले में पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार 11 जून को मृतका के भाई ने थाना स्योहारा में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि विवाहिता को उसके पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे। शिकायत

में कहा गया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को आग लगाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। परिजनों के अनुसार घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने पहले पति और ससुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। इसी क्रम में पुलिस ने मामले में वांछित सास मिथलेश को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अन्य नामजद आरोपियों के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। दहेज उत्पीड़न और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

नीट-यूजी पुन: परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- नीट-यूजी-2026 की पुनः परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि नीट-यूजी-2026 की पुनः परीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को सुरक्षित, निष्पक्ष और तनावमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि कोई व्यक्ति परीक्षा में व्यवधान डालने अथवा अनुचित साधनों के प्रयोग का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने

बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए जोनल, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की जा चुकी है, जो परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण करेंगे। सभी केंद्र व्यवस्थापकों और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को परीक्षा से पूर्व केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा कक्षों से लेकर कंट्रोल रूम तक सीसीटीवी कैमरे सक्रिय अवस्था में रहें। परीक्षा प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग एवं रिकॉर्डिंग भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही अभ्यर्थियों को सघन जांच के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाए तथा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की सभी गाइडलाइंस का अक्षरशः पालन किया जाए। भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन, ओआरएस तथा मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में संबंधित अधिकारी तत्काल कंट्रोल रूम अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दें। बैठक में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही अभ्यर्थियों के सुगम प्रवेश एवं निर्गमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्र सरकार सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लगाई गई विकास प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

जनपद के विकासपरक योजनाओं पर आधारित विभागो द्वारा लगाए गए स्टाल का मुख्य अतिथि द्वारा किया गया अवलोकन

बिजनौर (सब का सपना):- मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तारिक मंसूर, जिला अध्यक्ष भाजपा भूपेन्द्र चौहान तथा जिलाधिकारी जसजीत कौर की गरिमामयी उपस्थिति में सुशासन को समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के 12 वर्ष तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सुशासन के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इन्दिरा बाल भवन, बिजनौर में जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा आयोजित विकास प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर भव्य शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि तारिक मंसूर ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार गरीब, किसान, महिला, युवा एवं कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र और प्रदेश सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होनें कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार राजधर्म का पालन करते हुये विकास के नये आयाम लिख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बिना भेदभाव के सभी को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा जनपद की विकासपरक योजनाओं पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों यथा-कृषि, स्वास्थ्य, महिला कल्याण, उद्यान विभाग, बाल विकास परियोजना, खादी ग्रामोद्योग, पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला प्रोबेशन, पीएम नेडा सूर्यघर, कौशल विकास/आई0टी0आई0, उद्योग विभाग, एन0आर0 एल0 एम0 समूह की महिलाओ द्वारा लगाए स्थलों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति-पत्र वितरित कर लाभान्वित किया गया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को आकर्षक किट और डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग लखनऊ के तत्वाधान में विकास प्रदर्शनी प्रमुख रूप से आकर्षण का केन्द्र रही।

नाबालिग से अशोभनीय हरकत का आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा पुलिस ने नाबालिग लड़की का पीछा करने, उसके साथ छेड़छाड़ करने तथा वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार 17 जून 2026 को पीड़िता के परिजनों ने थाना स्योहारा में लिखित तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि ग्राम रामपुर निवासी

फरमान पुत्र अनीस अहमद उनकी नाबालिग पुत्री का घर से बाहर आते-जाते समय लगातार पीछा करता था। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने एक मौके पर पीड़िता का हाथ पकड़कर उसके साथ अशोभनीय हरकत की और उसका वीडियो भी बना लिया। आरोप है कि वीडियो के आधार पर आरोपी नाबालिग पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। विरोध करने पर वह वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देता था। परिजनों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया। थाना स्योहारा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी फरमान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

होटल ले जाकर गलत कार्य करने का आरोप, दो युवक गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा पुलिस ने युवती को जबरन वाहन में बैठाकर ले जाने, उसके साथ दुष्कर्म करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 14 जून को पीड़िता के पिता ने थाना स्योहारा में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि ग्राम सदारनपुर निवासी

राकिब और फिरोज दो युवकों को उनकी पुत्री को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाकर एक होटल में ले गए। शिकायत में कहा गया कि वहां एक आरोपी ने युवती के साथ गलत कार्य किया, जबकि दोनों आरोपियों ने उसे धमकाते हुए धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रेम प्रसंग में नहर में कूदे युवक-युवती, युवती बची, युवक की तलाश जारी

बिजनौर (सब का सपना):- शिवाला कला थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां परिवार की असहमति से आहत होकर एक युवक और युवती ने रामगंगा पोषक नहर में छलांग लगा दी। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि युवक की तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरादाबाद जनपद के भोले का मिलक निवासी 18 वर्षीय युवक का अपने मामा के गांव मंझौला बिल्लौच में आना-जाना था। इसी दौरान उसकी रिश्तेदारी में लगने वाली एक युवती से नजदीकियां बढ़ीं और दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित

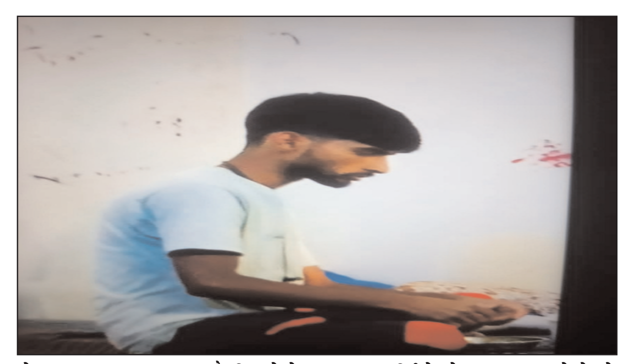

हो गए। बताया जा रहा है कि दोनों विवाह करना चाहते थे, लेकिन परिजनों की सहमति नहीं मिलने के कारण वे मानसिक तनाव में थे।

मंगलवार दोपहर युवक बाइक से गांव पहुंचा और युवती को अपने साथ रामगंगा पोषक नहर पर ले गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नहर में छलांग लगा दी। युवती की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही शिवाला कला पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे तथा संयुक्त अभियान चलाकर युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि युवक नहर की तेज धारा में बह गया और उसका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस ने युवक की तलाश के लिए नहर में जाल डलवाया है तथा गोताखोरों की टीम लगातार खोज अभियान चला रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार युवक दो दिन बाद विदेश जाने वाला था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा लापता युवक की तलाश के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद दोनों परिवारों में शोक और चिंता का माहौल बना हुआ है।

सड़क हादसों पर लगेगी लगाम, बिजनौर के छह थाना क्षेत्रों में दिन में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं "जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट (ZFD)" कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चन्हित मार्गों पर दिन के समय भारी एवं खनन वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक नगर एवं नोडल अधिकारी यातायात के पत्र तथा पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निदेशों का हवाला देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर के छह थाना क्षेत्रों को "जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट" कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष यातायात प्रबंधन लागू किया जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार मण्डावली-मण्डावर मार्ग, कोतवाली देहात-नहटौर-नूरपुर मार्ग, धामपुर-नहटौर-झालू-बिजनौर मार्ग तथा नजीबाबाद-रायपुर सादात-नगीना मार्ग पर प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी एवं खनन वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी वाहन राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे, जिससे स्थानीय मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा और दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित अवधि में आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध विधिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनपदवासियों से भी यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा अभियान में सहयोग देने की अपील की है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

योग सप्ताह के तृतीय दिवस अमृत सरोवर अम्हेड़ा में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

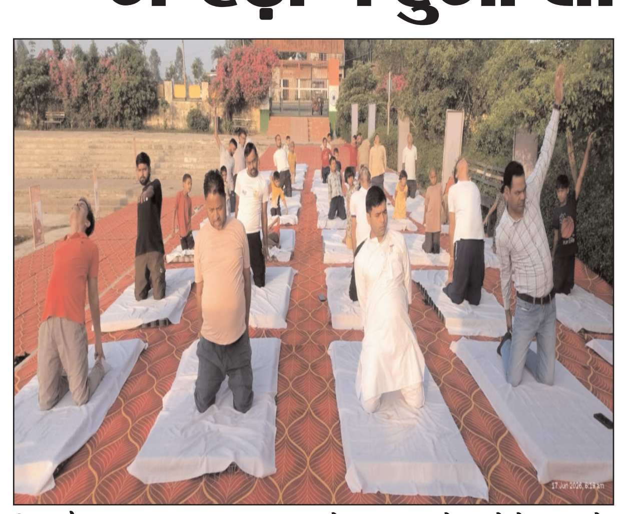

बिजनौर (सब का सपना):- 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जनपद बिजनौर में आयोजित योग सप्ताह के अंतर्गत तृतीय दिवस का योगाभ्यास कार्यक्रम मंगलवार प्रातः अमृत सरोवर अम्हेड़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, योग साधकों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।kप्रातः 6 बजे प्रारंभ हुए कार्यक्रम में योगाचार्य प्रशांत महर्षि ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने नियमित योगाभ्यास के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विल्सन ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरती गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरेश कुमार, चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल कुमार, योगेंद्र पाल सिंह योगी, सुनील राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। योग सप्ताह के इस आयोजन को सफल बनाने में क्रीड़ा भारती, गोविंदा मॉर्निंग क्लब, गायत्री परिवार, आईएनओ तथा अन्य योग संस्थाओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने योगाभ्यास कर निरोग एवं संतुलित जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. शैलेन्द्र यादव ने सभी प्रतिभागियों, योग प्रशिक्षकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने की एक प्रभावी जीवनशैली है। समाज को निरोग और स्वस्थ बनाने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

पीडीए जन चेतना यात्रा का शुभारंभ, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की पीडीए जन चेतना यात्रा विधानसभा क्षेत्र बुलन्दशहर में शुभारंभ हुआ। वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी तिराहे से जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा का नेतृत्व परविन्द्र लोधी ने किया। यात्रा ऋषि पैलेस हीरापुर, स्याना अड्डा, इमलिया, उटरावली, सराय छबीला, जीवंत, औरंगाबाद, इलना, मुल्लानी, जहांगीराबाद, जुगसाना, सिवाली, बालका, जुलेपुरा, कुच्छेजा, पुठरी और हजरतपुर सहित विभिन्न गांवों से होकर पुनः अवंतीबाई लोधी तिराहे पर सम्पन्न होगी। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष हामीद अली, जिला मीडिया प्रभारी लोधी चरण सिंह राजपूत, मास्टर तिलक चंद लोधी, रामांशकर लोधी, राम किशोर लोधी, कृष्णपाल यादव, चौधरी चन्द्रपाल सिंह, चौधरी विद्या सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला आयोग सदस्य ने सुनी महिलाओं की समस्याएं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने बुधवार को जनपद भ्रमण के दौरान पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में महिला कल्याण एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा एवं रानी लक्ष्मीबाई सम्मान कोष योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और पात्र महिलाओं एवं बच्चों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक के बाद आयोजित जनसुनवाई में घरेलू हिंसा एवं आपसी विवाद से संबंधित नौ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात तहसील सदर सभागार में आयोजित जागरूकता चौपाल में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए शिविरों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसपी सिटी, महिला थाना, महिला प्रकोष्ठ, जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला आयोग सदस्य ने सुनी महिलाओं की समस्याएं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने बुधवार को जनपद भ्रमण के दौरान पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में महिला कल्याण एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा एवं रानी लक्ष्मीबाई सम्मान कोष योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और पात्र महिलाओं एवं बच्चों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक के बाद आयोजित जनसुनवाई में घरेलू हिंसा एवं आपसी विवाद से संबंधित नौ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात तहसील सदर सभागार में आयोजित जागरूकता चौपाल में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए शिविरों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसपी सिटी, महिला थाना, महिला प्रकोष्ठ, जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रात्रि चौपाल में सांसद डॉ. भोला सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुन अफसरों को दिए निर्देश

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्रीय सांसद डॉ. भोला सिंह ने ग्राम खालौर में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनकल्याण शिविर में विभिन्न विभागों ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी देकर कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। ग्रामीणों की पुलिया निर्माण की मांग पर लोक निर्माण विभाग ने 15 दिनों में कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। रात्रि प्रवास के बाद बुधवार सुबह सांसद ने गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया तथा पंचायत घर व मंदिर परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया। इस दौरान सड़क, जलनिकासी समेत अन्य समस्याओं के समाधान का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गौ सेवा का संकल्प, 12 कुंतल काशीफल समर्पित

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- धर्मपुर क्षेत्र के गांव धीमरी स्थित गौशाला में विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के तत्वावधान में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला सह मंत्री भूप्रकाश बजाज के नेतृत्व में कार्यकताओं ने गौ माता के लिए 12 कुंतल काशीफल समर्पित कर सेवा कार्य किया। इस अवसर पर सत्य प्रकाश बजरंगी, राजकुमार लोधी, सोनू डीलर, चंद्रवीर सिंह, हरपाल सिंह, ओम प्रकाश, प्रदीप कुमार एवं हरेंद्र प्रदीप सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकताओं ने लोगों से गौशालाओं में चारा, आटा, भूसा व अन्य सामग्री का दान कर गौ संरक्षण में सहयोग देने की अपील की।

विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा के जनसंपर्क अभियान के तहत जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मलका पार्क में विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा चौधरी चरण सिंह पार्क में माल्यार्पण, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान में भाग लिया। भाजपा जिला कार्यालय गंगानगर में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं तथा विकसित भारत-2047 का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने कहा कि भाजपा राष्ट्र निर्माण का जनआंदोलन है और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता निरंतर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने की। इस अवसर पर सांसद डॉ. भोला सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया, विधायक प्रदीप चौधरी, संजय शर्मा, सीपी सिंह लोधी, मीनाक्षी सिंह, लक्ष्मीराज सिंह सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लुधियाना नगर निगम को बड़ा झटका, 6 करोड़ के विवाद में 120 सिटी बसें होंगी कुर्क

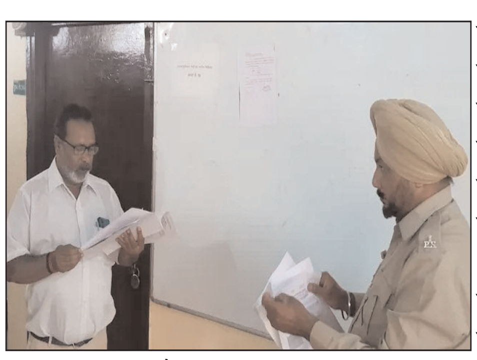

लुधियाना। नगर निगम की 120 सीट बसें कर्क होने जा रही है। इस बाबत बुधवार को अदालत का नोटिस निगम जोन ए पर चस्पा कर दिया गया है। यहां बता दे सिटी बस को चल रही कंपनी ने निगम पर ट्रिब्यूनल में 6 करोड़ का मामला दायर किया था। ट्रिब्यूनल ने सिटी बस को चल रही कंपनी होराइजन ट्रांसवे के पक्ष में फैसला दिया था। निगम ने इस फैसले को स्थानीय कोर्ट में चैलेंज किया था, यहां पर भी फैसला निगम के विरुद्ध गया। इस फैसले के खिलाफ निगम ने हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। हाई कोर्ट ने सनी से निगम को तय राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा कैश और बाकी सिक्योरिटी जमा करवाने के आदेश दिए। निगम ने सिर्फ सिक्योरिटी राशि जमा करवाई, कैश नहीं जमा करवाया। कोर्ट ने सिटी बसों को अटैच करते 20जुलाई तक नीलम करने ओर 7 जुलाई तक पैसा जमा करवाने का आदेश जारी किया। बुधवार को कुर्की का नोटिस निगम दफ्तर पर चसपा कर दिया गया है।

नीट पेपर लीक रोकने के लिए टेलीग्राम पर पाबंदी का मामला पहुंचा दिल्ली एचसी, आज ही होगी सुनवाई

नई दिल्ली। नीट-यूजी की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा से पहले अपने प्लेटफॉर्म पर अस्थायी रोक लगाने के केंद्र सरकार के निर्णय के विरुद्ध टेलीग्राम ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। हाई कोर्ट इस मामले पर बुधवार को ही तत्काल सुनवाई करेगा। इस मामले का उल्लेख टेलीग्राम की तरफ से न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ के समक्ष किया गया था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा से जुड़े फ्रॉड और पेपर लीक के गलत प्रचार को रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा टेलीग्राम पर कुछ समय के लिए प्रतिबंध लगाना पड़ा। अभिषेक सिंह ने एक विशेष साक्षात्कार में बताया था, 'हमें यह बड़ा कदम उठाना पड़ा क्योंकि स्कैम करने वाले और धोखेबाज लगातार टेलीग्राम प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल कर रहे थे। वे नकली प्रश्न पत्रों को भावी नीट परीक्षा के असली प्रश्न पत्र बताकर वायरल कर रहे थे और छात्रों की बेचैनी का फायदा उठाकर उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहे थे। इसके लिए एनटीए ने टेलीग्राम अधिकारियों के साथ बैठक की और ऐसे ग्रुप्स एवं चैनल्स को ब्लॉक करने का अनुरोध किया जिनमें स्पष्ट रूप से नीट लीक पेपर का दावा किया जा रहा था। इसके अंतर्गत 200 से ज्यादा चैनल ब्लॉक किए गए। वहीं, इस बीच मैसेजिंग एप के फाउंडर और सीईओ पावेल डुरोव ने एक्स पर लिखा, 'भारत के आईटी मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम पर बैन लगा दिया क्योंकि कुछ यूजर्स ने परीक्षा के लीक हुए सवाल शेयर किए थे। इससे भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से ज्यादा आम यूजर्स को सजा मिल रही है न कि उन लोगों को जिन्होंने परीक्षा का मैटीरियल लीक किया था। इस बैन से कुछ भी नहीं रुका। लीक्स दूसरे एप्स पर चली गईं।' पावेल ने इस फैसले की आलोचना की है।

बता दें कि तीन मई को हुई नीट की परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद परीक्षा को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने रद कर दिया था। पेपर लीक मामले में अब तक 13 आरोपितों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है और सभी न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

डबल डेकर बस का किराया घटा: अब 500 नहीं, सिर्फ 300 रुपये में दिल्ली घूमने का मौका; क्या रहेगा रूट?

नई दिल्ली। पर्यटन को बढ़ावा देने की कड़ी में दिल्ली में शुरू की गई इलेक्ट्रिक डबल-डेकर टूरिस्ट बस को इतने भी यात्री नहीं मिल पा रहे हैं कि बस चलाने का खर्च भी निकल पाए। इसके पीछे का कारण बस को चलाने के लिए लगातार प्रचार ना होना भी माना जा रहा है। बच्चों और बड़ों के लिए क्या है टिकट प्राइज? लॉन्च के बाद से अभी तक इसमें 1,500 से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है। परिवहन विभाग ने ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टिकट की कीमतें कम कर दी हैं। ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभाग ने बड़ों के लिए टिकट की कीमत 500 रुपये से घटाकर 300 रुपये और बच्चों के लिए 300 रुपये से घटाकर 200 रुपये कर दी है। 1,500 से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर ताजा आंकड़ों के अनुसार 12 जून तक कुल 1,540 यात्रियों ने बस में सफर किया है। अबकाश के दिन व साप्ताह के अंतिम दिनों में यात्रियों की संख्या का एक बड़ा हिस्सा सफर करता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 28 फरवरी को बस सेवा शुरू होने के बाद फरवरी में 12 यात्री, मार्च में 432, अप्रैल में 372, मई में 424 और 12 जून तक 300 यात्री दर्ज किए गए हैं। यह पहल अभी एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है, विभाग की योजना भविष्य में लोगों के रिस्पांस के आधार पर और रूटों पर इसे शुरू करने की है। संसद से लेकर इंडिया गेट तक घुमाएगी बस विभाग अभी दो रूटों पर यह सेवा चलाता है। हफ्ते के दिनों में टूर विजय चौक से शुरू होते हैं और सेंट्रल विस्टा इलाके की अहम जगहों को कवर करते हुए प्रधानमंत्री संग्रहालय तक जाते हैं। सप्ताह के अंतिम दिनों में टूर दिल्ली हॉट, आइएनए से शुरू होते हैं और इनमें राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी भी शामिल होती है। इस रूट में राष्ट्रपति भवन, भारत मंडपम, नेशनल वार मेमोरियल, नया संसद भवन, दिल्ली हाट और प्रधानमंत्री संग्रहालय शामिल हैं। पर्यटकों के बीच चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी, नेशनल वार मेमोरियल लोकप्रिय स्थानों में से एक हैं। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फरवरी में यह सेवा शुरू की थी। इस वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बस में 63 यात्रियों के बैठने की जगह है। साथ ही, एक ट्रेंड टूर एस्कार्ट भी होता है

जो इन जगहों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी देता है। दिल्ली की सड़कों पर पहले सामान्य डबल-डेकर बसें डीटीसी चलाती थी, लेकिन पुरानी हो चुकी बसों की वजह से 1989 में इन्हें बंद कर दिया गया था।

दिल्ली में पानी के प्लांट संचालक की हत्या मामले में एक्शन, पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा

पूर्वी दिल्ली। नेहरू विहार इलाके में दिनदहाड़े पानी के प्लांट संचालक राशिद की हत्या में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान अयान उर्फ आकिब व इमरान के रूप में हुई है। दोनों राजा मेवाती गिरोह से हैं। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। इनके तीसरे साथी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। 15 जून की शाम को बदमाशों ने नेहरू विहार में 12 गोलियां मारकर राशिद की हत्या की थी। हत्या के बाद से बदमाश फरार चल रहे थे।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल कर दो बदमाशों को दयालपुर से गिरफ्तार कर लिया। दोनों बदमाशों ने पुलिस को पूछताछ में कहा कि राशिद से उनकी रंजिश चल रही थी। इसलिए वारदात को अंजाम दिया

29 जून को एएपी विधायकों की पेशी से पहले गरमाई सियासत, अमन अरोड़ा ने कहा- 'सीएम मान पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं पक्ष'

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े विवाद और अकाल तख्त की ओर से सुनाए गए फैसले को लेकर आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री इस मामले पर अपना पक्ष पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं और वह इससे आगे कोई अतिरिक्त टिप्पणी नहीं करना चाहते। अमन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जो कह चुके हैं, वही उनका स्पष्ट रुख है। उन्होंने कहा कि विवाद से जुड़े तथ्यों की पुष्टि केवल फोरेंसिक जांच के जरिए ही हो सकती है और सच्चाई सामने लाने के लिए तकनीकी जांच का इंतजार किया जाना चाहिए। अमन अरोड़ा ने कहा कि उनके अनुसार मुख्यमंत्री के स्पष्टीकरण के बाद फिलहाल इससे आगे कुछ कहना उचित नहीं होगा। उन्होंने दोहराया कि मामले की सत्यता फोरेंसिक जांच से ही स्थापित हो सकती है। उधर, अकाल तख्त की ओर से इस मामले में सुनाए गए फैसले के तहत आम आदमी पार्टी के कुछ विधायकों और नेताओं को भी श्री अकाल तख्त साहिब में पेश होने के लिए तलब किया गया है। अकाल तख्त की ओर से जारी आदेश के अनुसार आप विधायकों को 4 जुलाई को श्री अकाल तख्त साहिब में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हुआ था, जिसके बाद विभिन्न सिख संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से आपत्ति जताई गई थी। इस मामले में अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद फैसला सुनाया गया। अकाल तख्त ने संबंधित व्यक्तियों को पेश होकर अपना स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही कह चुके हैं कि विवादित वीडियो उनकी नहीं है और उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा था कि वह श्री अकाल तख्त साहिब और सिख धार्मिक संस्थाओं का पूरा सम्मान करते हैं। अब इस पूरे मामले पर राजनीतिक और धार्मिक हलकों की नजरें 4 जुलाई को होने वाली पेशी और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

शार्प शूटर्स ने असली टारगेट की जगह मार डाला कैशियर! पुलिस जांच में सनसनीखेज खुलासा

चंडीगढ़: चंडीगढ़ में एक केमिस्ट की दुकान पर कैशियर की हत्या के मामले में नया मोड़ आया है। इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस की जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि शार्प शूटर्स ने गलती से यह हत्या कर दी। दुकान में गोली मारकर मारे गए जानकीदास असल में शूटर्स का असली टारगेट नहीं थे। दरअसल, पुलिस सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि फिरोजपुर के एक शख्स ने शूटर्स को एक मशहूर केमिस्ट को मारने के लिए भेजा था। फायरिंग के बाद गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के कथित वॉयस मैसेज में 'कुमार ब्रदर्स' का जिक्र था। बताया जा रहा है कि शूटर्स 'कुमार' नाम से कन्फ्यूज हो गए थे। सेक्टर-11 में 'कुमार' नाम से जुड़ी आधा दर्जन मेडिकल दुकानें हैं। उन्होंने श्री कुमार केमिस्ट की दुकान में घुसकर वहां बैठे कैशियर जानकीदास को गोली मार दी। आरोपियों में शूटर आदिल, सन्नी मेहरा और राहुल चौहान के नाम सामने आए। शूटर अभी गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन उनके संपर्क में रहने वाले तीन संदिग्धों अजय कुमार, ओमकार और विवेक मेहरा को जम्मू के सांबा से हिरासत में लिया गया है। 3 पकड़े गए संदिग्धों में अजय प्लंबर है, जबकि ओमकार ऑटो चालक है। ओमकार का नाम पहले भी कठुआ जिले के राजबाग क्षेत्र में दर्ज एक हत्या के मामले में सामने आ चुका है। विवेक मेहरा फिलहाल सांबा के चकमंगा गांव में अपने मामा के घर रह रहा था और मीट की रेहड़ी लगाता था। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहयोग से की गई। पुलिस ने उनके कब्जे से एक पिस्तौल भी बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में जम्मू के बहराना से एक शूटर को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सनी मेहरा के तौर पर हुई है। हालांकि, पुलिस विभाग ने इसकी पुष्टि नहीं की है। शुरूआती पूछताछ में पता चला है कि घटना के बाद शूटर चंडीगढ़ से दिल्ली गया और वहां से ट्रेन से जम्मू पहुंचा। सूत्रों के मुताबिक, सनी करीब 2 महीने से दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में काम कर रहा था। इस दौरान वह अपने घर वापस नहीं लौटा था। फरार शूटर अमन और आर्यन की तलाश में चंडीगढ़ पुलिस की टीमें दिल्ली और जम्मू में छापेमारी कर रही हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि घटना में इस्तेमाल जिगाना पिस्टल तुर्की में बनी थी। यह पिस्टल पाकिस्तान से जम्मू पहुंची और वहां से गोल्डी ढिल्लों गैंग के सदस्यों ने शूटर अमन, आर्यन और सनी को दी। तीनों आरोपियों के पास एक-एक पिस्टल थी। पुलिस ने पिस्टल, बाइक और होटल में उनके ठहरने का इंतजाम करने वाले 3 युवकों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। किसी और के आधार कार्ड पर बुक हुआ कमरा गोल्डी ढिल्लों गैंग के शूटरों के लिए काझेरी के एक होटल में किसी और के आधार कार्ड पर कमरा बुक किया गया था। पुलिस टीम ने होटल से आधार कार्ड की कॉपी ली और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। पुलिस टीमें आधार कार्ड वाले व्यक्ति से लगातार पूछताछ कर रही हैं। इसके अलावा मोबाइल की कॉल डिटेल्स भी जांची जा रही हैं। होटल के रिकॉर्ड के मुताबिक, तीनों आरोपी शुक्रवार दोपहर 2 से 2:30 बजे के बीच होटल पहुंचे थे। कमरा लेने के बाद वे शाम को बाहर गए और थोड़ी देर बाद वापस आ गए।

इसके बाद तीनों ने शनिवार दोपहर करीब 12:55 बजे होटल से चेक आउट किया। होटल का 800 रुपये किराया देने के बाद वे चले गए।

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास

5 टिप्स करेंगी मदद

वीकंड के बाद मंडे की शुरुआत हम सभी के लिए मुश्किल होती है। अक्सर लोग एक उदास मन से मंडे की शुरुआत करते हैं। पर जरूरी यह है कि आप खुश होकर अपने मंडे की शुरुआत करें। इससे मंडे ही नहीं पूरा हफ्ता भी अच्छा गुजरेगा।

सोमवार की सुबह से, हर किसी को डर लगता है। कोई भी नहीं चाहता कि सुनहरे और आरामदेह वीकंड के बाद सोमवार आए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका पेशा क्या है या किस जॉब में है, सोमवार आने का डर हर किसी को रविवार शाम से ही परेशान करता है। कुछ लोग इससे कम परेशान होते हैं तो कुछ लोग ज्यादा। ये वैसा ही है, जैसे लंबी छुट्‌टी के बाद स्कूल जाना। इसमें हर किसा को ऐसा फील होता है, मानों जैसे अभी तो शुक्रवार को आप एक सप्ताह के अंत का जश्न मना रहे थे। अब पलक झपकाते ही सोमवार की कामकाजी सुबह आ गई। जैसे सुबह सात बजे का अलार्म बजा और सोमवार फिर से वापस आ गया। ऐसे में आपको सोमवार की उदासी से बचना है और एक नए वीक की फ्रेश शुरुआत करनी है, तो आप इन 5 तरीकों को अपना सकते हैं।

नाश्ते में कुछ खास बनाएं

मां जैसे अपने बच्चे को उसके मनपंसद नाश्ते का लालच देती है, वैसे ही हमें मंडे मॉर्निंग खुद को एक अच्छे से नाश्ते का लालच देना चाहिए। मंडे को खासतौर पर आप अपना मनपसंद नाश्ता बनवाएं, जिसे आप खुशी से खा सके। ध्यान रखें कि यह नाश्ता हेल्दी भी हो, जो आपको इर्निजेटिक और लाइट फील कराए।

अच्छे से तैयार होकर ऑफिस जाएं

मंडे सुबह अगर आपको दबी-कुचली, मुचड़ी हुई जींस और बिना प्रेस की हुई टी-शर्ट पहनने को मिले, तो आपका पूरा मूड ऑफ हो जाएगा। ऐसे में अपनी ड्रेसिंग स्टाइल को नया लुक देने का प्रयास करें। अपने पसंदीदा ड्रेस, अपने आरामदायक जूते और पसंदीदा लिपस्टिक को बाहर निकालें और पूरे मन से तैयार होकर ऑफिस निकलें। ऐसा हमें इसलिए भी करना चाहिए क्योंकि जब आप अच्छे कपड़े पहनते हैं, तो आप बेहतर महसूस करते हैं। इस तरह आप खुद को तो पसंद आने के साथ ही दूसरों को भी अच्छे लगते हैं।

अपने आप को हमेशा बताएं कि आपको आपके जॉब से प्यार है

किसी भी काम को करने से पहले उसके प्रति हमारे मन में प्यार होना बेहद जरूरी है। आप किसी काम को क्यों करते हैं और आप उसे कितना पसंद करते हैं, यह एक बेहद जरूरी चीज है। आपके काम के प्रति आप कितने मोटिवेटेड हैं, यह बात आपकी सफलता और खुशी का एक बड़ा कारण हो सकती है। आप उस काम में उतने ही कामियाब होंगे, जितने मन से आप उस काम को शुरू करेंगे। तो मंडे मॉर्निंग से घबराइए नहीं और अपने काम को अपना पैशन बनाइए। अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम ये कोशिश करिए कि आप जो करेंगे, जब तक करेंगे, पूरे दिल से करेंगे।

सोच बदलें और सकारात्मक सोचें

ऑफिस के बारे में आपके बोरिंग थोट्स हैं, तो आपके लिए कोई भी मंडे दुखदायी ही होगा। ऐसे में अपने मन को बदलिए। सोचिए कि ऑफिस जाकर कितना मजा आएगा। वहां आपके दोस्त होंगे। ऐसा सोचने के लिए जरूरी यह भी है कि आपको आपके काम से प्यार हो। ऑफिस में आपके रिश्ते सबके साथ अच्छे हों क्योंकि अगर ऐसा नहीं है, तो आप मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे। ऑफिस को लेकर सकारात्मक सोच इसलिए भी जरूरी है कि आप वहां दिन के लगभग 8 से 9 घंटे यहीं बिताते हैं। इस वजह से अगर ऑफिस में खुश रहते हैं, तो आपका काम भी अच्छा होगा। साथ ही आपको किसी मंडे मॉर्निंग का डर नहीं सताएगा और इस तरह आपका पूरा सप्ताह भी अच्छा बीतेगा।

ऑफिस में अपनी डेस्क को सजा कर रखें

सजावट, साफ- सफाई और खूबसूरती सिर्फ आंखों को ही सुकून नहीं देती बल्कि हमारा मन भी लगाए रखती है। यह आपके मन पर अच्छा प्रभाव डालती है। इसलिए हो सके तो ऑफिस में आप अपने डेस्क को सजा कर रखें। रंग-बिरंगी और काम की चीजों से डेस्क सजाएं। मनी प्लांट और ऐसे ही कुछ हरे भरे छोटे पौधों को भी आप अपने डेस्क पर लगा सकते हैं। इसके अलावा कुछ मोटिवेशनल थोट्स भी अपने डेस्क पर लिखकर लगाएं। यह सारी चीजें आपको खुश और मोटिवेटेड रखती हैं, जिससे आपको मंडे हो या फ्रायडे सब एक समान लगेगा।

रेसिपी

मसालेदार इडली

सामग्री

■ 4-5 इडली ■ 2 टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ आधी शिमला मिर्च ■ 1/2 कप मटर के दाने ■ 1 प्याज ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 3/4 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट ■ 1 टीस्पून पाव भाजी मसाला ■ 1 टीस्पून टमैटो सॉस ■ 8-10 करी पत्ते ■ 2 टीस्पून हरा धनिया ■ नमक स्वादानुसार ■ तेल ■ 1 टीस्पून सौंफ

विधि

इडलियों के छोटे-छोटे पीसेज काट लें। अब इडली पीसेज को डीप फ्राई करें। कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें सौंफ डालें। करी पत्ता डालने के बाद लंबा कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर इसे तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालने के बाद नमक, मटर के दाने, शिमला मिर्च और बाकी मसाले डालकर फ्राइड इडली को डाल दें। प्लेट में निकालकर ऊपर से गार्निश करें।

वेजिटेबल राइस

सामग्री

■ बासमती चावल- 2 कप ■ सब्जियां ■ प्याज ■ लौकी ■ बीन्स ■ गाजर ■ गोभी ■ शिमला मिर्च)- 2 कप ■ टमाटर- 1 (बारीक कटा) ■ घी- 2 चम्मच ■ दालचीनी- 1/2 चम्मच ■ लौंग पाउडर- 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच ■ नमक-स्वादानुसार ■ नींबू का रस-स्वादानुसार ■ अदर-लहसुन पेस्ट- 1/2 चम्मच ■ दही- 2 चम्मच ■ जीरा और सरसों के दाने- 1 चम्मच

विधि

पैन में घी गर्म करें। अब इसमें जीरा, सरसों के दाने डालकर तड़काएं। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट के साथ दालचीनी और लौंग का पाउडर डालें। थोड़ी देर फ्राई करेंगे। अब बाकी मसाले डालें और इसके साथ ही टमाटर भी। अब सारी सब्जियां और दही को भी डाल दें और ढककर अच्छे से पकाएं। थोड़ा पक जाने के बाद इसपर पके हुए चावल की लेयर बिछाएं। अब इसे 15 मिनट तक और पकाएं। ऊपर से हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3921

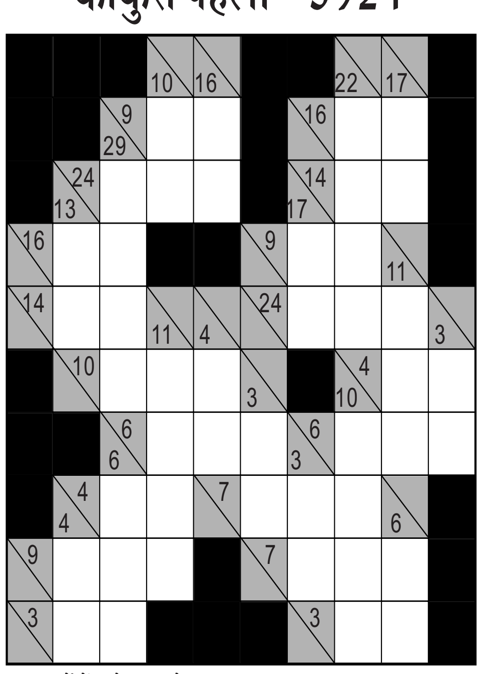

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

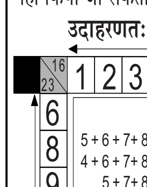

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3920 का हल

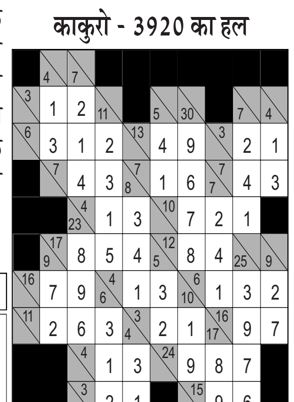

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?
मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.
राजेश: सर, परीक्षाफल.

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.
अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.
दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?
तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.
बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3921

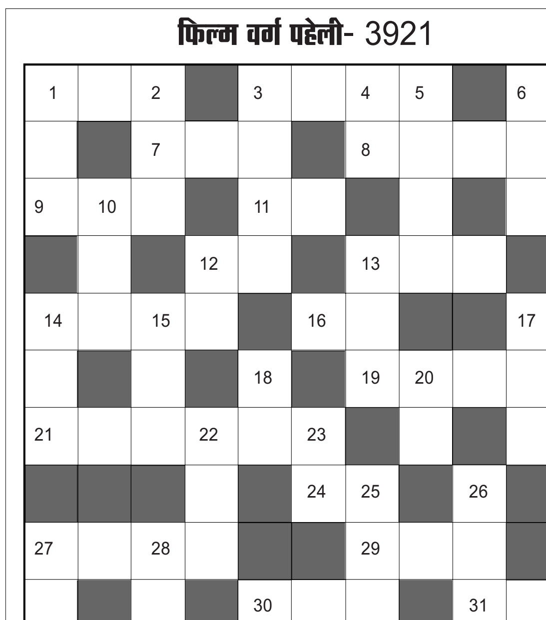

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3920

सूडोकु -3921

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3920 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3921

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3920 का हल

'जीवन भीमा योजना' में पहली बार दोहरी भूमिका निभाएंगे अरशद वारसी

अभिनेता अरशद वारसी एक डार्क कॉमेडी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जीवन भीमा योजना' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का पहला पोस्टर आज सामने आया है। इस फिल्म में अरशद वारसी डबल रोल में नजर आएंगे। अपने करियर में पहली बार अरशद किसी फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे। आज फिल्म का टीजर रिलीज किा गया है। जानिए कब रिलीज होगी अरशद की ये फिल्म?

1 मिनट 16 सेकंड के इस टीजर में कॉमेडी और ड्रामा की पूरी झलक दिखती है। साथ ही दिखता है कि कैसे कॉमेडी ऑफ इरर्स से होता है पूरा हंगामा। टीजर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि अरशद वारसी के एक किरदार की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाती है। फिर अरशद का दूसरा किरदार अपने हमशक्ल की मौत का फायदा उठाकर बीमा की रकम हासिल करने की कोशिश करता है। लेकिन ये इतना आसान नहीं रहने वाला है।

ऐसी है कहानी

अरशद वारसी इस फिल्म में दो हमशक्ल व्यक्तियों की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी जिंदगी अप्रत्याशित और खतरनाक तरीके से एक-दूसरे से जुड़ जाती है। इसके बाद शुरू होती है अपराध, धोखे और डार्क ह्यूमर से भरपूर घटनाएं। 'जीवन भीमा योजना' लालच, मजबूरी, प्यार और एक गलत फैसले के दूरगामी परिणामों की कहानी है। फिल्म जीवन और उसकी पत्नी योजना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। उनकी जिंदगी में तब बड़ा मोड़ आता है, जब उन्हें भीमा नाम का एक व्यक्ति मिलता है, जो हूबहू जीवन जैसा दिखता है। दोनों एक ऐसी योजना बनाते ,हैं जिसमें जीवन की मौत का नाटक कर बीमा की रकम हासिल की जा सके। लेकिन यह आसान योजना तब बुरी तरह उलझ जाती है, जब मरा समझा गया व्यक्ति हीरे की तस्करी से जुड़े एक खतरनाक गिरोह से संबंध रखता हुआ निकलता है।

अभिषेक डोगरा द्वारा निर्देशित 'जीवन भीमा योजना' अंशु मिश्रा द्वारा स्टार बीम वेंचर्स लिमिटेड के बैनर तले निर्मित है। इस फिल्म में अरशद वारसी के अलावा संजीदा शेख, विजय राज, पूजा चोपड़ा और बिजेंद्र काला जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिल्म मानसून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

कृति सेनन की बड़ी प्रॉपर्टी डील!

कास्टिंग डायरेक्टर को बेचे अंधेरी के 4 अपार्टमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपनी बहन नुपुर सेनन और मां गीता सेनन के साथ मिलकर मुंबई के अंधेरी वेस्ट में स्थित चार अपार्टमेंट कुल 8.9 करोड़ में बेच दिए हैं। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, इन फ्लैट्स को फिल्ममेकर और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने खरीदा है।

इतने करोड़ का हुआ फायदा

सेनन परिवार ने इन चारों अपार्टमेंट्स को 2013 से 2017 के बीच करीब 4.31 करोड़ में खरीदा था। अब 8.9 करोड़ में बिक्री के साथ उन्हें लगभग 4.6 करोड़ का फायदा हुआ है, यानी करीब 107% का मुनाफा, जो 9 से 13 साल की अवधि में मिला। रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट बेचे दस्तावेजों के मुताबिक, यह बिक्री चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए की गई, जो 24 अप्रैल 2026 को रजिस्टर हुए। अंधेरी वेस्ट के रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट 3.23 करोड़-3.23 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 654.23 स्क्वायर फीट है और हर फ्लैट के साथ एक कार पार्किंग भी शामिल है। दोनों डील्स पर 19.41 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000-30,000 का रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा। इसी बिल्डिंग में मौजूद बाकी दो छोटे अपार्टमेंट 1.21 करोड़-1.21 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 246.06 स्क्वायर फीट है। इन पर 7.29 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000 प्रति यूनिट रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा।

कब खरीदे थे ये अपार्टमेंट

स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, गीता सेनन ने जुलाई 2013 में दो बड़े अपार्टमेंट 1.40 करोड़ में खरीदे थे, जबकि कृति और नुपुर सेनन ने जून 2017 में बाकी दो फ्लैट्स 2.90 करोड़ में खरीदे थे। इस तरह परिवार का कुल निवेश करीब 4.31 करोड़ था।

नए कलाकारों के साथ 'ताल 2' बनाने की सोच रहे हैं सुभाष घई

बॉलीवुड निर्देशक सुभाष घई की मशहूर फिल्म 'ताल' आज भी लोगों को बहुत पसंद है। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। सुभाष घई इस सुपरहिट रोमांटिक फिल्म का दूसरा भाग यानी 'ताल 2' बनाने की सोच रहे हैं। सुभाई ने सोशल मीडिया पर लोगों से पूछा कि क्या वह नए कलाकारों के साथ 'ताल 2' देखना चाहेंगे? सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर ताल का एक पोस्टर हाथ में पकड़े हुए तस्वीर शेयर की है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि फिल्म की तारीफ रोजर एबर्ट ने की थी। इसी के साथ उन्होंने प्रशंसकों से पूछा कि क्या उन्हें इसे नए कलाकारों और निर्देशक के साथ 'ताल 2' बनानी चाहिए।

अपनी पोस्ट में सुभाष घई ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए सबसे बड़ी तारीफ किससे मिली थी। साल 2005 में शिकागो के 'एबर्टफेस्ट' में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हॉलीवुड के मशहूर फिल्म समीक्षक रोजर एबर्ट ने फिल्म 'ताल' की तारीफ की थी।

रोजर एबर्ट ने 'ताल' को 'शुद्ध मनोरंजन' और 'मासूमियत से भरी' फिल्म बताया था। उन्होंने कहा था कि इस फिल्म में हॉलीवुड के पुराने दौर के क्लासिक संगीत जैसा जादू है, जो अब अमेरिकी फिल्मों से गायब हो चुका है। वह फिल्म के गानों, डांस और ऐश्वर्या राय की एक्टिंग से बहुत प्रभावित हुए थे। फिल्म 'ताल' 1999 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना ने मुख्य भूमिका निभाई है। अमरीश पुरी और आलोक नाथ सहायक भूमिकाओं में दिखें। इस फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान ने दिया था, जिसके गाने आज भी लोग गुनगुनाते हैं।

पहली बार खलनायक बनेंगी शबाना आजमी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी अपनी आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' में पहली बार एक खलनायक की भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके किरदार का नाम नफीसा होगा। फिल्म के प्रोड्यूसर विशेष भट्ट ने इंस्टाग्राम पर शबाना आजमी के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की घोषणा की। उन्होंने बताया कि शबाना आजमी जैसी दिग्गज अभिनेत्री का इस फिल्म से जुड़ना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है और उनके आने से कहानी को एक नया मोड़ मिलेगा।

टाइटल विवाद के बीच मनोज बाजपेयी का बड़ा बयान

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' अपने टाइटल को लेकर काफी विवादों में रही थी। इसी वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि आखिर कितनी सावधानी जरूरी है, तो उन्होंने कहा, 'बहुत ध्यान रखना पड़ता है। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने फिल्म को लेकर बातचीत में कहा कि आज के समय में लोग बहुत जल्दी आहत हो जाते हैं। उन्होंने कहा, 'हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में। हर कोई जैसे तैयार बैठा है कि कोई उसे आहत करे। जैसे कोई कह रहा हो- 'आओ मुझे ऑफेंड करो, मैं सुबह से बैठा हूं।' उन्होंने आगे कहा कि जब लोग इतने संवेदनशील हो जाते हैं, तो फिल्ममेकर्स को और ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'आप नहीं चाहते कि जिस फिल्म को बनाने में इतनी मेहनत लगी है, उसे बेवजह विवादों में घसीटा जाए। फिल्म सिर्फ एक इंसान की मेहनत नहीं होती, इसमें कई लोगों की मेहनत और करियर जुड़ा होता है।' बात को सकारात्मक अंदाज में खत्म करते हुए मनोज ने कहा, 'हम ऐसे समय में हैं जहां हमें सोच-समझकर काम करना पड़ता है। लेकिन हम एक ऐसे समय की उम्मीद जरूर करते हैं, जब कोई भी बात पर आहत न हो।'

बड़े बजट की रोमांस थ्रिलर फिल्म से जुड़ सकती हैं कीर्ति सुरेश

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कीर्ति सुरेश के अगले प्रोजेक्ट को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक बड़े बजट की रोमांस-थ्रिलर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, कीर्ति एक प्रमुख फिल्मकार की नई फिल्म से जुड़ सकती हैं। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें कीर्ति को ऐसे जॉनर में देखने का मौका मिल सकता है, जिसमें उन्होंने अब तक बहुत ही कम काम किया है। कीर्ति सुरेश पिछले कुछ वर्षों में तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी फिल्मों में लगातार सक्रिय रही हैं। उन्होंने व्यावसायिक फिल्मों के साथ-साथ अभिनय प्रधान भूमिकाओं में भी अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में रोमांस और थ्रिलर के मिश्रण वाली कहानी में उनका चयन दिलचस्प माना जा रहा है।

अपनी पीढ़ी की सबसे अंडररेटेड अभिनेत्रियों में से हैं कृति खरबंदा

जिस इंडस्ट्री में, अक्सर शोर, सुर्खियों और दिखावे को सफलता का पैमाना माना जाता है, वहां कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो बिना ज्यादा प्रचार के अपनी निरंतरता, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण के दम पर मजबूत करियर बनाते हैं और कृति खरबंदा इसी श्रेणी की अभिनेत्री हैं। वर्षों से कृति ने हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा में सफलतापूर्वक काम करते हुए अलग-अलग इंडस्ट्री, जॉनर और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है।

अपनी मजबूत फिल्मोग्राफी के बावजूद उन्हें अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों की चर्चा में वह जगह नहीं मिली, जिसकी वे हकदार रही हैं। शायद यही वजह है कि 'राणा नायडू 2' में उनकी परफॉर्मेंस, सीरीज़ की रिलीज़ के एक साल बाद भी, चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

गौरतलब है कि आलिया ओबेरॉय के किरदार में कृति ने भारत की सबसे चर्चित स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी में कदम रखा और अपने साथ एक ताजगी भरी ऊर्जा लेकर आई। यह किरदार उन भूमिकाओं से काफी अलग था, जिनसे दर्शक अब तक उन्हें जोड़ते आए थे। हालांकि महत्वाकांक्षा, भावनात्मक जटिलताओं, संवेदनशीलता और मजबूती से पिरोए गए इस किरदार को निभाना उनके लिए बेहद मुश्किल था, लेकिन इसे उन्होंने एक चुनौती की तरह लिया और सच कर दिखाया।

सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने दमदार व्यक्तित्वों और प्रभावशाली परफॉर्मेंस से भरी कहानी में भी अपनी अलग मौजूदगी बनाए रखी। जहां शो में हाई-स्टेक ड्रामा और बड़े किरदारों का दबदबा था, वहीं कृति की परफॉर्मेंस कभी भी दबती हुई महसूस नहीं हुई। उन्होंने संयम और आत्मविश्वास के साथ अपने किरदार को निभाते हुए यह साबित किया कि प्रभाव छोड़ने के लिए हमेशा ऊंची आवाज़ या अत्यधिक नाटकीयता की जरूरत नहीं होती।

'राणा नायडू 2' ने कृति की उस खासियत को भी सामने लाया, जो शुरुआत से उनकी पहचान रही है, और वह थी खुद को हर परिस्थिति और किरदार के अनुसार ढाल लेने की क्षमता। बहुत कम कलाकार ऐसे होते हैं जो इतनी सहजता से भाषाओं, जॉनर और फॉर्मेट्स के बीच बदलाव कर पाते हैं।

रोमांटिक एंटरटेनर्स और कॉमेडी फिल्मों से लेकर थ्रिलर्स और अब एक रॉ और ग्रिटी स्ट्रीमिंग ड्रामा तक, कृति ने लगातार खुद को नए रूप में पेश किया है, बिना अपनी सच्चाई और सहजता खोए। शायद यही कारण है कि कृति आज भी इंडस्ट्री की सबसे अंडररेटेड परफॉर्मर्स में से एक मानी जाती हैं।

उन्होंने कभी किसी एक इमेज या तय फॉर्मूले पर निर्भर रहने की कोशिश नहीं की। इसके बजाय, उन्होंने चुपचाप एक विविधतापूर्ण फिल्मोग्राफी तैयार की, जहां हर किरदार खुद उनके काम की गवाही देता है। हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव ने दर्शकों को पारंपरिक लेबल्स से आगे बढ़कर कलाकारों को नए नजरिए से देखने का अवसर दिया है, और इसी के साथ 'राणा नायडू 2' ने एक बार फिर कृति की रेंज और स्क्रीन प्रेजेंस की याद दिलाई। इसने एक ऐसी अभिनेत्री को सामने रखा, जो जोखिम लेने से नहीं डरती, चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को अपनाती है और मनोरंजन जगत के बदलते दौर के साथ लगातार खुद को विकसित करती रहती है।

यही वजह है कि एक साल बाद भी 'राणा नायडू 2', कृति खरबंदा के करियर का एक अहम पड़ाव बना हुआ है, इसलिए नहीं कि इसने उन्हें दर्शकों से परिचित कराया, बल्कि इसलिए कि इसने सभी को फिर याद दिलाया कि वह क्या करने में सक्षम हैं। और अगर उनके हालिया प्रोजेक्ट्स कोई संकेत देते हैं, तो संभव है कि उनके करियर के सबसे बेहतरीन अध्याय अभी बाकी हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।